संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -30 शुक्रवार ,01 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पेपर लीक करना अब पड़ेगा भारी

» जेल में कटेगी सारी जिंदगी,

» 10 करोड़ तक लगेगा जुर्माना

रांची,30 नवम्बर 2023(ए)। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक और नकल रोकने के लिए सख्त कानून लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने विधानसभा से बीते अगस्त महीने में पारित विधेयक को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी होते ही यह कानून का रूप ले लेगा।

प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर बनाया कानून

इस कानून में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक करने पर कम से कम 10 साल और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा से लेकर 10 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाने जैसे सख्त प्रावधान हैं। इस कानून का नाम झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम निवारण के उपाय) अधिनियम, 2023 होगा।

नकल करते पकड़े गए तो

इस कानून में प्रावधान किया गया है कि प्रतियोगी परीक्षा में कोई अभ्यर्थी पहली बार नकल करते हुए पकड़ा जाता है तो उसे एक वर्ष की जेल होगी और पांच लाख रुपए का जुर्माना लगेगा। दूसरी बार पकड़े जाने पर तीन साल की सजा एवं 10 लाख जुर्माना का प्रावधान है। न्यायालय द्वारा सजा होने पर

संबंधित अभ्यर्थी 10 वर्षों तक किसी प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे।

गिरफ्तारी का भी प्रावधान

पेपर लीक और नकल से जुड़े मामलों में बगैर प्रारंभिक जांच के स्नढ्रक और गिरफ्तारी का भी प्रावधान किया गया है। पेपर लीक और किसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में भ्रामक जानकारी प्रचारित-प्रसारित करने वाले भी इस कानून के दायरे में आएंगे। यह कानून राज्य लोक सेवा आयोग, राज्य कर्मचारी चयन आयोग, भर्ती एजेंसियों, निगमों और निकायों द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षाओं में लागू होगा।

पेपर लीक से जुड़े मामलों को लेकर इस कानून में सबसे सख्त प्रावधान किए गए हैं। इसमें परीक्षाओं के संचालन से जुड़े व्यक्ति, एजेंसियां, प्रिंटिंग प्रेस एवं षड्यंत्र में शामिल लोग दायरे में आएंगे। अगर कोई प्रिंटिंग प्रेस, परीक्षा आयोजित करने वाला प्रबंधन तंत्र, परिवहन से जुड़ा व्यक्ति या कोई कोचिंग संस्थान साजिशकर्ता की भूमिका निभाता है तो 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। इसमें 2 करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है। जुर्माना न देने पर तीन साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

विधानसभा में हुआ था हंगामा

बता दें, इस विधेयक को लेकर झारखंड विधानसभा में जबर्दस्त हंगामा हुआ था। विपक्ष के विधायकों ने इसकी प्रतियां फाड़ दी थीं और भाजपा ने इसे काला कानून की संज्ञा दी थी। विपक्ष के विधायकों के बहिष्कार के बीच यह विधेयक पारित किया गया था।

पूर्व मंत्री पर ईडी ने कसा शिकंजा

चंडीगढ़,30 नवम्बर 2023(ए)। पंजाब के पूर्व मंत्री साधु सिंह धर्मसोत के घर आज सुबह-सुबह ईडी की रेड पड़ी है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने अमलोह में पूर्व मंत्री साधु सिंह धर्मसोत के घर पर छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई वन घोटाले से जुड़े मामले में मानी जा रही है। भ्रष्टाचार के आरोपों में वो गिरफ्तार भी हुए थे। हालांकि अभी जमानत पर बाहर हैं। बताया जा रहा है कि रेड के दौरान साधु सिंह घर पर नहीं थे। ईडी की टीम ने उनके बेटे और पत्नी से पूछताछ की है। साधु सिंह के अलावा वन विभाग के कुछ ठेकेदारों और उनके करीबियों के घर भी रेड हुई है। ईडी की एक टीम ने गुरुवार को अमलोह के वार्ड नंबर 6 में पंजाब सरकार में पूर्व वन मंत्री और कांग्रेसी नेता साधु सिंह धर्मसोत के आवास पर छापेमारी की है। इस दौरान साधु सिंह घर पर नहीं थे। उनकी पत्नी और बेटा गुरप्रीत सिंह घर पर थे। छापेमारी अभी चल रही है और किसी को भी अंदर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। धर्मसोत के अलावा वन विभाग के कुछ ठेकेदारों व उनके करीबियों के घर पर भी रेड की गई है। ईडी की टीमें और सेंट्रल रिजर्व फोर्स के जवान उनके घर पहुंच गए।

मेरे लिए देश में केवल 4 जातियाँ

» राज्य में आरक्षण की मांग और प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा बयान

» मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपको दी गई सभी गारंटी पूरी करूंगा...

नई दिल्ली ,30 नवम्बर 2023 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विचार भारत संकल्प यात्रा को संबोधित किया। इस मौके पर बोलते हुए मोदी ने जातीय समीकरण पर टिप्पणी की। हालांकि, मोदी ने कहा कि वह देश में सिर्फ चार जातियां मानते हैं। बिना किसी जाति का जिक्र किए मोदी ने कहा कि देश में सिर्फ चार जातियां हैं गरीब, युवा, महिलाएं और किसान। हम इन चारों जातियों के विकास और मजबूती के लिए काम कर रहे

हैं। मोदी ने यह भी कहा कि आस्था और बुनियादी जाति-धर्म से परे सोच कर इन 4 जातियों की प्रगति से ही देश का विकास होगा।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है और कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव में जातिवार जनगणना कराने का वादा किया है। बिहार में आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 75 फीसदी कर दी गई है। साथ ही नीतीश कुमार सरकार ने जातिवार जनगणना भी कराई है।

इसलिए देश में चुनाव से पहले जातीय समीकरण भी जोड़े जा रहे हैं। जाति और आरक्षण के लाभ का मुद्दा फिलहाल चर्चा में है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जातियों को लेकर बड़ा बयान दिया है।

मेरे लिए सबसे बड़ी जाति गरीब, युवा, महिलाएं हैं और मेरे लिए सबसे बड़ी जाति किसान है, मोदी ने मानवता के नजरिए से जातियों का वर्गीकरण किया है। मोदी ने कहा, अगर ये चार जातियां बच जाएंगी तो देश का विकास होगा। मैं जिस संकल्प यात्रा को लेकर जा रहा हूं, उसका एक ही उद्देश्य है।

मैं सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों की प्रतिक्रिया सुनना चाहता हूं। मैं उनका अनुभव सुनना चाहता हूं। मोदी ने कहा कि साथ ही जिन लोगों को लाभ नहीं मिला, वे अगले 5 साल में सरकारी योजनाओं का लाभ पाना चाहते हैं। देश के हर गांव तक पहुंचेगी मोदी की विकास की गारंटी वाली गाड़ी। मोदी ने यह भी कहा कि विकास भारत संकल्प यात्रा के आज 15 दिन पूरे हो गए हैं, हमने इस ट्रेन का नाम विकास रथ रखा था। लेकिन, पिछले 15 दिनों में लोगों ने इस कार का नाम बदल दिया है और इसे नया नाम दिया गया है मोदी की गारंटीवाली गाड़ी। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि आप मुझ पर विश्वास करते हैं। मोदी ने कहा, इसलिए, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपको दी गई सभी गारंटी पूरी करूंगा।

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले दो दिसंबर को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2023(ए)। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले केंद्र ने 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने यह जानकारी दी। चार दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के आगामी शीतकालीन सत्र को मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र बताते हुए जोशी ने सभी विपक्षी दलों से सहयोग करने और सदन में चर्चा में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिलहाल केंद्र सरकार ने मौजूदा शीतकालीन सत्र के लिए 24 विधेयक तय किए हैं, आने वाले एक-दो दिनों में इसकी सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और सरकार सर्वदलीय बैठक में सभी विपक्षी दलों को इसके बारे में सूचित करेगी। सरकार शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में सात नए विधेयक पेश कर सकती है, इसमें तेलंगाना में केंद्रीय जनजातीय

विश्वविद्यालय की स्थापना और केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी की विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण देना शामिल है।

सरकार ने भारतीय न्याय संहिता विधेयक ङ्क 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक ङ्क 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 पेश किया है, जो आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के साथ-साथ चुनाव आयोग के प्रमुख की नियुक्ति के बिल समेत 18 बिल सत्र के लिए सूचीबद्ध हो गए हैं। संसद का शीतकालीन सत्र 22 दिसंबर को समाप्त होगा। संसद सत्र के 19 दिनों के दौरान 15 बैठकें होंगी। पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के अगले दिन से संसद का यह शीतकालीन सत्र शुरू होने वाला है और ऐसे में चुनाव नतीजों का असर संसद सत्र की कार्यवाही पर पड़ना तय है। पांच राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों के लिए वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होनी है और संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है।

भारतीय वायुसेना की ताकत में होगा इजाफा

» लड़ाकू विमान तेजस और हेलिकॉप्टर प्रचंड खरीदने को मिली मंजूरी

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2023(ए)। डिफेंस एक्वीजिशन काउंसिल ने इंडियन एयरफोर्स के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपए की खरीद को मंजूरी दे दी। इसके तहत 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस, 150 हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर प्रचंड खरीदे जाएंगे। इसके अलावा एसयू-30 लड़ाकू विमान के अपग्रेडेशन प्रोग्राम को भी मंजूरी दी गई है। दोनों फाइटर विमान स्वदेशी हैं।

कुछ और रक्षा सौदों को भी मंजूरी दी गई है। तेजस मार्क 1-ए लड़ाकू विमानों को भारतीय वायु सेना के लिए और हेलिकॉप्टरों को वायु सेना और थल सेना के लिए हासिल किया जा रहा है। परिषद ने अतिरिक्त सौदों को भी मंजूरी दे दी है, इनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग दो लाख करोड़ रुपये है।

ईडी ने जम्मू-कश्मीर में आठ ठिकानों पर ली तलाशी

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2023(ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 223 करोड़ रुपये से अधिक की जम्मू-कश्मीर सहकारी बैंक धोखाधड़ी की जांच के सिलसिले में गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में कई ठिकानों पर तलाशी ली।यह धोखाधड़ी रिवर झेलम कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी के नाम पर की गई थी। सोसायटी सिर्फ कागजों पर ही है। सूत्रों ने कहा कि वित्तीय जांच एजेंसी जम्मू-कश्मीर में आठ से अधिक ठिकानों पर तलाशी ले रही है।हालांकि, अधिकारी घटनाक्रम पर चुप्पी साधे हुए हैं। इससे पहले ईडी ने मामले में कार्रवाई की थी और कई लोगों से पूछताछ की थी। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

बंगाल नौकरी घोटाला मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता ,30 नवम्बर 2023(ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को स्कूल और नगर पालिकाओं में नौकरी के लिए नकद मामलों में अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, कोलकाता, उत्तरी 24 परगना के साल्ट लेक, कूच बिहार और मुर्शिदाबाद में तलाशी अभियान चल रहा है। जांच एजेंसी की सुरक्षा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सशस्त्र जवान कर रहे हैं। स्कूल में नौकरी मामले को लेकर शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके पटुली में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के तृणमूल कांग्रेस पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता के आवास पर गुरुवार सुबह छापेमारी शुरू हुई।दासगुप्ता को पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा

मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी का बेहद करीबी माना जाता है, जो वर्तमान में उसी मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। इस बीच, सीबीआई की एक और टीम साल्ट लेक स्थित बिधाननगर नगर निगम (बीएमसी) में तृणमूल कांग्रेस के पार्षद देबराज चक्रवर्ती के आवास पर पहुंची। सूत्रों के मुताबिक, चक्रवर्ती के आवास पर छापेमारी नगर पालिकाओं की नौकरी के मामले में हुई है।

स्क्वॉड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी बनीं देश की पहली महिला एडीसी

आइजोल,30 नवम्बर 2023 (ए)। वायु सेना (आई ए एफ) की एक महिला अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी को भारतीय सशस्त्र बल में भारत की पहली महिला सहायक-डी-कैंप (एडीसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। इसी के साथ मनीषा पाढ़ी देश की पहली महिला एडीसी बन गई हैं। स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी को मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने एड-डी-कैंप (एडीसी) नियुक्त किया।इस मौके पर मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने कहा, उनकी नियुक्ति महज एक मील का पत्थर नहीं है, बल्कि यह उन महिलाओं की उल्लेखनीय क्षमताओं के प्रमाण के रूप में कार्य करता है जो लैंगिक मानदंडों को चुनौती देती हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करती हैं। उन्होंने कहा, आइए हम इस असाधारण उपलब्धि का जश्न मनाएं और सभी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना जारी रखें। मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी बिदर, पुणे और बठिंडा में वायु सेना स्टेशनों पर काम कर चुकी हैं।

तेलंगाना में 70.62 प्रतिशत वोटिंग के साथ मतदान सम्पन्न

» पिछले चुनाव के मुकाबले 9.25प्रतिशत ज्यादा,कुछ जगह छुटपुट झड़प हुई,

» सीएम केसीआर की बेटी के खिलाफ केस

हैदराबाद,30 नवम्बर 2023(ए)। तेलंगाना की 119 विधानसभा सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम 5 बजे तक राज्य में 70.62 प्रतिशत मतदान हुआ। यह 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के मुकाबले 9.25 प्रतिशत ज्यादा है। तब 73.37 प्रतिशत मतदान हुआ था। वोटिंग के दौरान छुटपुट झड़प की घटनाएं सामने आई। हैदराबाद के चारमीनार विधानसभा क्षेत्र से हुसैनी आलम में कांग्रेस उम्मीदवार मुबीन पर हमला हुआ। उधर, वारंगल में मिनिस्टर एर्राबेली दयाकर को मयलिवर गांव में ग्रामीणों ने रोक दिया। इस दौरान ग्रामीणों और मंत्री के

समर्थकों में झड़प हुई। उन्हें कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बीआरएस नेता और मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता के खिलाफ केस दर्ज हुआ। आरोप है कि उन्होंने पोलिंग बूथ में मीडिया से बात की।आदिलाबाद में वोट देने आए दो बुजुर्गों टोकला गंगम्मा (78) और राजन्ना (65) की मौत हो गई। वोटिंग के दौरान लाइन में खड़ी टोकला गंगम्मा को हार्ट अटैक आया। वहीं, लाइन में खड़े राजन्ना चक्कर आने की वजह से गिर गए। अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में उनकी मौत हो गई।

2290 कैंडिडेट्स मैदान में

स्टेट इलेक्शन कमीशन के मुताबिक, राज्य में 3.17 करो से ज्यादा वोटर्स हैं। नेशनल और स्टेट लेवल की कुल 109 पार्टियों के 2290 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। राज्य में 35 हजार 655 मतदान केंद्र बनाए गए। इनमें 511 केंद्र संवेदनशील रहे। ये सभी छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमा से लगे हैं और नक्सल प्रभावित हैं। सुरक्षा के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 100 से ज्यादा कंपनियां तैनात की गई। नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे।

कक्षा 11 वीं, 12 वीं के छात्रों को नीट जेईई की फ्री कोचिंग

नई दिल्ली ,30 नवम्बर 2023(ए)। देश में नीट, जेईई परीक्षा का बड़ा क्रेज है. देश में इन परीक्षाओं को बड़ी प्रवेश परीक्षा होने का तमगा प्राप्त है, क्योंकि हर साल 20 से 30 लाख बच्चे नीट यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट और जेईई यानी ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन में भाग लेते हैं. देश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एम बी बी एस की पढ़ाई के लिए नीट और देश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों, आई आई टी और एनआईटी में प्रवेश के लिए जेईई परीक्षा का आयोजन किया जाता है। साइंस स्ट्रीम के साथ कक्षा 11वीं से भी इन परीक्षाओं की तैयारियों में जुट जाते हैं। इसे देखते हुए ओडिशा सरकार ने राज्य के विभिन्न उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 11 वीं और 12 वीं के छात्रों को मुफ्त नीट और जेईई कोचिंग देने का फैसला किया है।ओडिशा के बच्चे को नीट और जेईई की यह कोचिंग ऑनलाइन मोड में दी जाएगी। उच्च माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने राज्य के प्लस-टू कॉलेजों को इस उद्देश्य के लिए स्मार्ट टीवी सेट और इंटरैक्टिव पैनल लगाने का निर्देश दिया है उच्च माध्यमिक शिक्षा निदेशक रघुराम आर अय्यर ने नीट, जेईई की कोचिंग के लिए सभी सरकारी और गैर सरकारी और सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के सभी प्रिंसिपलों को स्मार्ट टीवी या इंटरैक्टिव पैनल लगाने के लिए एक पत्र लिखा है।

इस पत्र में, रघुराम ने कहा, सरकारी, गैर-सरकारी और सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे नीट और जेईई स्टूडेंट को उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए ऑनलाइन कोचिंग देने का निर्णय लिया गया है।

संपादकीय

क्योंकि सवाल राजनीतिक है

जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संविधान की अस्पष्टता नहीं है। अगर केंद्र में सत्ताधारी पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है।

विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपालों की अपेक्षित भूमिका के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, उससे व्यवहार में कितना फर्क पड़ेगा, यह कहना मुश्किल है। कोर्ट इस बारे में संविधान के प्रावधान की उचित व्याख्या की है। लेकिन यह प्रावधान तो पहले से मौजूद है और उसमें कोई अस्पष्टता नहीं है। पंजाब और केरल की सरकारों और वहां के राज्यपालों के बीच चल रहे विवाद में अदालत ने कहा है कि अगर राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए बिल को ÷यथाशीघ्र÷ पुनर्विचार के लिए विधानसभा को लौटा देना चाहिए। अब यहां असल मुद्दा इसी ÷यथाशीघ्र÷ की व्याख्या का है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा तय नहीं की। संभवतः ऐसा करना संविधान के मुताबिक उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इसीलिए उसने जो व्यवस्था दी है, उसे एक तरह से कोर्ट की सदिच्छा कहा जा सकता है। ÷यथाशीघ्र÷ का मतलब कितना समय है, इस बारे में राज्य सरकार और राज्यपाल की समझ अलग-अलग होने की गुंजाइश बची हुई है।

कोर्ट ने कहा है कि किसी विधेयक को लौटाए जाने के बाद अगर विधानसभा उनकी आपत्तियों पर गौर करते हुए या उसे नामंजूर करते हुए विधेयक को फिर से पारित कर देती है, तो फिर राज्यपाल के पास उस पर दस्तखत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह भी संवैधानिक प्रावधान को दोहराया जाना ही है। बहरहाल, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इसलिए कि जो समस्या पैदा हुई है, उसका कारण संवैधानिक प्रावधान की अस्पष्टता नहीं है। बल्कि उसकी जड़ें मौजूदा राजनीतिक माहौल में छिपी हैं। अगर केंद्र की सत्ता में मौजूद पार्टी सर्वसत्तावादी महत्त्वाकांक्षाएं पाल ले, तो वे तमाम संवैधानिक प्रावधान महज कागज पर लिखी लकीर बन जाते हैं, जिनका मकसद व्यवस्था को नियंत्रित और संतुलित रखना है। चूंकि ऐसा एक राजनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से होता है, इसलिए इसका समाधान भी ऐसी ही प्रक्रिया से ढूंढा जा सकता है। राज्यपालों के व्यवहार से जो राजनीतिक दल अपने को पीड़ित महसूस कर रहे हैं, उन्हें यह बात अवश्य याद रखनी चाहिए।

श्री ज्ञानेश्वरी ग्रंथ का हुआ देवनागिरी सिन्धी भाषा में अनुवाद

नागपुर,30 नवम्बर 2023। तन्वी के द्वारा महाराष्ट्र के जाने माने संत ज्ञानेश्वर महाराज जी के द्वारा रचित 1290 ईस्वी मे ग्रंथ ज्ञानेश्वरी ग्रंथ का , अनुवाद सिन्धी देवनागिरी भाषा में किया गया । जब लेखिका वीना से वार्तालाप करने पर सवाल किया गया कि उन्होंने इस ग्रंथ का अनुवाद किस तरह किया और उनके मन में श्री ज्ञानेश्वरी ग्रंथ के अनुवाद का विचार क्यों आया तो उन्होंने बहुत ही सहजता से बताया कि ज्ञानेश्वरी ग्रंथ का अनुवाद उन्होंने अपने मन में उठे भाव व आस्था के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए इस महान ग्रंथ का अनुवाद करने का विचार किया , साथ ही यह भी बताया कि इस पवित्र ग्रंथ के अनुवाद में उन्होंने गुगल से भाषा अनुवादित वेबसाईट की भी मदद् ली है क्यों कि कुछ शब्द ऐसे थे जिनका अर्थ वो भी नहीं जानती थी । जिसके चलते उन्हें वेबसाइट की भी मदद् लेनी पड़ी । साथ ही लेखिका वीना ने यह बताया कि जब उन्होंने अपने प्रथम ग्रंथ ***श्री साई सच्चरित्र*** का सिन्धी देवनागिरी भाषा में अनुवाद किया था तो उसमें ही श्री ज्ञानेश्वरी ग्रंथ के बारे में बताया गया था श्री ज्ञानेश्वरी ग्रंथ श्री भागवत गीता का ही सार है और इसी पवित्र सार के रसोपादन के चलते मेरे प्रथम अनुवादित ग्रंथ श्री साई सच्चरित्र से ही मुझे अपने द्वितीय ग्रंथ श्री ज्ञानेश्वरी को अनुवादित करने की प्रेरणा मिली । साई सच्चरित्र ग्रंथ का विमोचन उन्होंने अजनी नागपुर के प्रसिद्ध साई मंदिर में व अपने घर के नजदीक के साई मंदिर में बाबा जी के चरणों में ग्रंथ समर्पित करके किया था । 26 नवम्बर के दिन वीना आडवानी तन्वी को राजीव गांधी नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया और उसी दिन उनके दूसरे ग्रंथ श्री ज्ञानेश्वरी ग्रंथ का भी विमोचन हुआ ग्रंथ का विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि श्री अनंतकुमार अग्रवाल (मुंबई के प्रख्यात उद्योगपति), अध्यक्ष प्रख्यात समाजसेवी एवं दैनिक राष्ट्रप्रकाश व दैनिक देशोन्नती के एडिटर इन चीफ प्रकाश पोहरे एवं मुख्य अतिथि के रूप में देश की तीसरी, महाराष्ट्र की दूसरी तथा विदर्भ की पहली थर्ड जेंडर एडवोकेट शिवानी सुरकार , वीना आडवाणी तन्वी के पिता सिन्धी भाषी विख्यात लेखक आसूदोमल लछवानी , उनका बेटा नयन आडवानी , नवयुवा साहित्यकार संकल्प मीरानी (जिनकी बीस वर्ष कि उम्र में पांच पुस्तकें प्रकाशित हुई) , अतुल कुमार शरारा , नरेंद्र परिहार , राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित चंदा देवी स्वर्णकार , कृष्ण कुमार द्विवेदी, बालकृष्ण महाजन , योगेश साहू , चन्द्रकला भरतिया , मीरा रायकवार , अमन रंगेला व अन्य जाने माने साहित्यकार उपस्थित रहे ।

सावधानी बरतें और सुरक्षित रहें एड्स से

» लगातार थकान,रात को पसीना आना,लगातार डायरिया,जीभ/मुँह पर सफेद धब्बे,,सूखी खांसी,लगातार बुखार रहना आदि पर एड्स की संभावना हो सकती हैं

लगभग 200-300 साल पहले इस दुनिया में मानवों में एड्स का

लाल बिहारी लाल
करोल बाग,
नई दिल्ली

नामोनिशान तक नही था। यह सिर्फ अफ्रीकी महादेश में पाए जाने वाले एक विशेष प्रजाति के बंदर में पाया जाता था । इसे कुदरत के अनमोल करिश्मा ही कहे कि उनके जीवन पर इसका कोई प्रभाव नही पडता था। वे सामान्य जीवन जी रहे थे।

ऐसी मान्यता है कि सबसे पहले एक अफ्रीकी युवती इस बंदर से अप्राकृतिक यौन संबंध स्थापित की और वह एड्स का शिकार हो गई क्योकि अफ्रीका में सेक्स कुछ खुला है , फिर उसने अन्य कईयों से यौन संबंध बनायी और कईयों ने कईयों से इस तरह एक चैन चला और अफ्रीका महादेश से शुरु हुआ यह एड्स की बीमारी आज पूरी दुनिया को अपने आगोश में ले चुकी है। इस रोग को पहली बार 1981 में मान्यता दी गई और 27 जुलाई 1982 को एड्स के रुप में जाना गया। 2007 में ह्वाइट हाउस ने प्रतीक के रुप में रेड रिबन को रखा और यही रेड रिबन आज इस एड्स की पहचान बन गया है।

आज पूरी दुनिया में 40 मिलियन के आसपास एच.आई.वी.पॉजिटीव है इनमें से 25 मिलियन तो डिटेक्ट हो चुके हैं जिसमें सिर्फ अमेरिका में ही 1 मिलियन इस रोग से प्रभावित हैं।हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्रसंघ की ताजा रिपोरट के अनुसार एच.आई.वी. से प्रतिदिन 6,800 लोग संक्रमित हो रहें हैं तथा कम से कम 5,700 लोग एड्स के कारण मौत को गले लगा रहे । अर्थात विश्व में प्रति मिनट एड्स से लगभग 25 लोग काल को गाल में समा जाते है। संयुक्त राष्ट्र संघ के ताजा आंकड़े के हिसाब से 36.9 मिलीयन से अधिक एड्स से ग्रसित है। 21.7 मिलीयन से ज्यादा एंटी रेटेरोवायरल दवाई ले रहे है और 2017 में 1.8 मिलीयन इसके शिकार हुए थे।

वही भारत की बात करें तो 2017 में 2.1 मिलियन एड्स संक्रमितथे । 88,000 नये मरीज बढ़े वही 69,000 की मौत हुई और 56 प्रतिशत वयस्क रिट्रो वायरल दवा ले रहे थे। नाको के अनुसार भारत में ही वर्ष 2021 में प्रति दिन 115 लोगो की मौत हुई है। अपने देश में 1986 में पहला केस मद्रास में आया था। भारत सरकार ने ऱाष्ट्रीय एड्स कंट्रोल आर्गेनाजेशन (नाको) बनाया है और 2024 तक भारत को इस पर काबू करने का लक्ष्य है। भरत में इसके रफ्तार को काबू में कर लिया गया है। अपने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी एड्स पैर पसार चुका है। 2018 में 22,000 मरीज पंजीकृत थे वही आज 1,65,000 से ज्यादा केस हो चुके है । पिछले साल

तक36,924 पंजीकृत थे और 20,994 का इलाज चल रहा है ।

भारत में कुछ मशहूर रेड लाइट एरिया मुम्बई, सोना गाछी (कोल काता), बनारस, चतुर्भुज स्थान (मुज्जफरपुर)मेरठ एवं सहारनपुर आदि है। उनमें कुछ साल पहले तक तो सबसे ज्यादा सेक्स वर्कर मुम्बई में इस एड्स से प्रभावित थे पर आज एड्स से सबसे ज्यादा प्रभावित सेक्स कर्मी लुधियाना (पंजाब) में है और राज्यो की बात करे तो सर्वाधिक महाराष्ट्र में है। इसके बाद दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश है।

इस बीमारी के फैलने का मुख्य कारण (80-85 प्रतिशत) असुरक्षित यौन संबंध के कारण (तरल पदार्थ के रुप में बीर्य) - ब्यभि चारियों, बेश्याओं, वेश्या गामियों एंव होमो सेक्सुअल है। इसके अलावे संक्रमित सुई के इस्तेमाल किसी अन्य के साथ प्रयोग करने से,संक्रमित रक्त चढाने से तथा बच्चों में मां के जन्म के समय 20 प्रतिशत का जोखिम और स्तनपान के समय 35 प्रतिशत का जोखिम रहता है एड्स के फैलने का। इस बीमारी के चपेट में आने पर एम्यूनी डिफेसियेंसी(रोग प्रतिरोधक क्षमता) कम हो जाती है।जिससे मानव काल के ग्रास में बहुत तेजी से बढ़ता है और अपने साथी को भी इस चपेट मे ले लेता है। अतः जरुरी है कि आप अपने साथी से यौन संबंध बनाने के समय सुरक्षित होने के लिए कंडोम का प्रयोग अवश्य करें। सन 1981 में इसके खोज के बाद अभी तक 30 करोड से ज्यादा लोग काल के गाल में पूरी दुनिया में समा चुके हैं।

इसके लक्षणों में मुख्य रुप से लगातार थकान,रात को पसीना आना,लगातार डायरिया,जीभ/मुँह पर सफेद धब्बे,,सूखी खांसी,लगातार बुखार रहना आदी प्रमुख हैं।

इस बीमारी को फैलने में भारत के ग्रामिण इलाके में गरीबी रेखा से नीचे,अशिक्षा, रुढ़ीवादिता, महँगाई और बढ़ती खाद्यानों के दामों के कारण पापी पेट के लिए इस कृत(पाप) को करने पर उतारु होना पडता है। इससे बचने के लिए सुरक्षा कवच के रुप में कंडोम का उपयोग एवं साथी के साथ ही यौन संबंध बनायें रखना ही सर्वोत्म उपाय है ।

इसके साथ ही अपने शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आयुर्वेद पध्दति अपनाना चाहिये। जिसमें गेंहू के ज्वारे, गिलोय, तुलसी के पते,बेल के फल का रस अपना के इससे लड़ा जा सकता है। इसके साथ ही साथ ही कुछ शारीरीक ब्यायाम साइकिल चलाना,तैराकी करना, पैदल चलना,एरोबिक करने से भी इसे कम करने में मदद मिलेगी। होमियो पैथी में भी एम्युनिटी बढ़ाने की कई दवाये है। अमेरिका में इसके दवाई बनाने के लिए हुए कुछ परीक्षण में सफलता मिली है। बंदरो पर हुए टेस्ट में हमें कामयाबी मिली है।

दुनिया में 186 देशो से मिले आकड़ों पर आधारित एचआईवी/एड्स ग्लोबल रिर्पोट-2012 के मुताबिक भारत में 2001 से 2011 के मुकावले नए मरीजो की संख्या में 25 प्रतिशत की कमी आई है। 40-55 प्रतिशत मरीजो को एंटी रेटेरोवायरल दवायें उपलब्ध है। एंटी रेटेरोवायरल दवायें उसे दी जाती है जब 200 सीडी4(श्वेत रक्त कोशिका /एमएम3) से कम हो तो, 200-350 सीडी4 में ही एड्स का लक्षण दिखाई देता है। 350 सीडी4से ज्यादा हो पर एड्स नहीं हो इन्हे भी ये दवायें दी जाती है।

विश्व में अभी भी इसका खतरा टला नहीं है। बर्ष 2011 में 20.5 करोड लोग इसके चपेट मे आयें हैं। जबकि 50 प्रतिशत की कमी आई है। रिर्पोट के अनुसार 2005 से 2011 के बीच पूरी दुनिया में 24 प्रतिशत कम मौत दर्ज की गई है। यह अच्छी बात है पर अभी भी इसके लिए जागरुकता की सख्त जरुरत है। इस संदर्भ में सबसे पहले 1977 में ही वैज्ञानिकों ने इसके प्रति सचेत हो गये थे और विश्व भर के 200 से ज्यादा वैज्ञानिकों का एक सम्मेलन अमेरिका में हुआ था पर संयुक्त राष्ट्र संघ के पहल पर आम जन को जागरुक करने के लिए 1988 से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाते हैं तथा जागरुकता को आगे बढ़ाने और जन-जन तक पहुंचाने के लिए टीका या वैक्सीन दिवस भी हर साल 18 मई को मनाते है। क्योंकि जारुकता ही इसका बचाव है। सरकार के साथ-साथ आम जन को भी सतर्क रहना होगा तभी काबू पाया जा सकता है। लोगो के बीच जागकरुकता फैलाने के लिए हर वर्ष एक थीम होता है । इस वर्ष 2023 का थीम है- लेट कम्युनिटी लीड÷। इस पर नजर रखने के लिए 1991 में इंटरनेशनल कौंसिल ऑफ एड्स सर्विस संगठन की स्थापना हुई है

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में डीपफेक एक बड़ी चुनौती

» डीप फेक का गलत इस्तेमाल हर क्षेत्र में होने लगा है, डीप फेक लोकतंत्र के लिये खतरा है। डीप फेक मतदाता के मन को बदल सकता है

डीपफेक द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ सबसे पहले विश्वास और प्रतिष्ठा का क्षरण करती है। डीपफेक का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने,

-डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और सामाजिक अशांति भड़काने के लिए किया जा सकता है। एक बार जब कोई डीपफेक वीडियो वायरल हो जाता है, तो नुकसान को रोकना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि लोग वास्तविक और हेरफेर की गई सामग्री के बीच अंतर करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। व्यक्तियों और समाज के लिए खतरा अब सिर पर आकर खड़ा हो गया है। डीपफेक का इस्तेमाल साइबर बुलिंग, ब्लैकमेल और यहां तक कि चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके दुरुपयोग से व्यक्तियों और समाज को नुकसान पहुंचने की संभावना बहुत अधिक है। पता लगाने और जिम्मेदार ठहराने में कठिनाई पहले से ज्यादा बढ़ गयी है। डीपफेक का परिष्कार लगातार विकसित हो रहा है, जिससे उनका पता लगाना और उनका पता लगाना कठिन होता जा रहा है। यह कानून प्रवर्तन और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के लिए एक चुनौती है। कानूनी और नैतिक विचार कमजोर पड़ते दिखाई दे रहें है। डीपफेक के उद्भव ने गोपनीयता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सीमाओं के संबंध में जटिल कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

डीपफेक ऐसे वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं, जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके हेरफेर किया जाता है, ताकि यह प्रतीत हो सके कि कोई कुछ ऐसा कह रहा है या कर रहा है जो उन्होंने कभी नहीं किया। यह दूरगामी प्रभावों के साथ एक महत्वपूर्ण तकनीकी खतरे के रूप में उभरा है। कहते हैं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के इस युग में डेटा ही तेल सामान है, मतलब उसका महत्त्व बहुत ज्यादा है, और बिना डेटा के कोई भी काम होना बहुत कठिन हो गया है। जैसे-जैसे डेटा का उपयोग बढ़ रहा है, उसके शोधन के तरीके भी बढ़ रहे हैं, वहीं ऐसी टेक्नोलॉजी भी आ गयी हैं जो आपके डेटा का इस्तेमाल कर कई प्रकार के हैरतअंगेज कार्य कर सकती है। ऐसी ही टेक्नोलॉजी है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जिसने तकनीकी दुनिया को हमेशा के लिए बदल डाला है। गूगल बार्ड जैसे टूल्स आश्चर्जनक जानकारियों का खजाना बन गए हैं, जो रिसर्च,एजुकेशन, प्रोडक्टिविटी को अलग स्तर पर ले गए हैं, वहीं न्यूरल नेटवर्क, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग ने सेल्स, मार्केटिंग, सोशल मीडिया, और एंटरटेनमेंट जैसे क्षेत्रों को बदल डाला है।

डीपफेक द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ सबसे पहले विश्वास और प्रतिष्ठा का क्षरण करती है। डीपफेक का इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और सामाजिक अशांति भड़काने के लिए किया जा सकता है। एक बार जब कोई डीपफेक वीडियो वायरल हो जाता है, तो नुकसान को रोकना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि लोग वास्तविक और हेरफेर की गई सामग्री के बीच अंतर करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। व्यक्तियों और समाज के लिए खतरा अब सिर पर आकर खड़ा हो गया है। डीपफेक का इस्तेमाल साइबर बुलिंग, ब्लैकमेल और यहां तक कि चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके दुरुपयोग से व्यक्तियों और समाज को नुकसान पहुंचने की संभावना बहुत अधिक है। पता लगाने और जिम्मेदार ठहराने में कठिनाई पहले से ज्यादा बढ़ गयी है। डीपफेक का परिष्कार लगातार विकसित हो रहा है, जिससे उनका पता लगाना और उनका पता लगाना कठिन होता जा रहा है। यह कानून प्रवर्तन और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के लिए एक चुनौती है। कानूनी और नैतिक विचार कमजोर पड़ते दिखाई दे रहें है। डीपफेक के उद्भव ने गोपनीयता, अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सीमाओं के संबंध में जटिल कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

डीप फेक का गलत इस्तेमाल हर क्षेत्र में होने लगा है, लोकतंत्र के लिये खतरा है डीप फेक। डीप फेक लोकतांत्रिक संवाद को बदलने और महत्त्वपूर्ण संस्थानों के प्रति लोगों में अविश्वास फैलाने के साथ ही लोकतंत्र को कमज़ोर करने का काम कर सकता है। डीप फेक राजनीति और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बन सकता है, क्योंकि इसमें किसी भी नेता का गलत बयान, भड़काऊ बयान का वीडियो बनाकर वायरल किया जा सकता है, जिससे देश में दंगे हो सकते हैं। डीप फेक का प्रयोग चुनावों में जातिगत द्वेष, चुनाव परिणामों की अस्वीकार्यता या अन्य प्रकार की गलत सूचनाओं के लिये किया जा सकता है, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये बड़ी चुनौती बन सकता है। इस साल की स्टेट ऑफ डीपफेक रिपोर्ट के अनुसार, भारत डीपफेक के मामले में छठा सबसे संवेदनशील देश है। डीप फेक मतदाता के मन को बदल सकता है।अगर आपने चुनाव के दो दिन पहले तक किसी दल या उम्मीदवार के लिए पक्ष या विपक्ष में वोट करने के मन बना रखा है और इसी बीच उस दल के बड़े नेता या किसी उम्मीदवार का कोई आपत्तिजनक फोटो, वीडियो, या ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है तो ऐसे में मतदाता उस दल या पार्टी को अपने वोट देने के फैसले को बदल सकता है। बता दें कि ब्रिटेन के पिछले प्रधानमंत्री पद के चुनाव में लेबर पार्टी और कंज़रवेटिव पार्टी के उम्मीदवारों का एक डीप फेक वीडियो सामने आया जिसमें वे एक-दूसरे का समर्थन करते दिखाई दिये, इसी प्रकार भारत में भी 2019 के लोकसभा चुनावों में कुछ राजनेताओं के डीप फेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिसे बाद में हटा दिया गया।

भारत में डीपफेक के पीड़ितों के लिए कानूनी उपाय देखे तो सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म कानूनी रूप से साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को संबोधित करने और 36 घंटों के भीतर डीपफेक सामग्री को हटाने के लिए बाध्य हैं। साइबर अपराध की शिकायत करने के लिए पीड़ित राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन (1930) में शिकायत दर्ज कर सकते हैं और साइबर वकील से सहायता ले सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 जालसाजी और झूठी सूचना के प्रसार सहित साइबर अपराध अपराधों से संबंधित है। कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के तहत यदि डीपफेक में कॉपीराइट सामग्री का अनधिकृत उपयोग शामिल है तो वे कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन कर सकते हैं। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) डीपफेक की प्रकृति के आधार पर मानहानि (धारा-499) और आपराधिक धमकी (धारा-506) जैसे प्रावधान लागू किए जा सकते हैं। डीपफेक से निपटने के लिए उठाए जा सकने वाले उपायों में तकनीकी समाधान सर्वोपरि है। डीपफेक का पता लगाने और प्रमाणित करने के लिए शोधकर्ता एआई- संचालित उपकरण विकसित कर रहे हैं। ये उपकरण डीपफेक सामग्री में सूक्ष्म खामियों का विश्लेषण करते हैं, जैसे चेहरे के भाव या आंखों की गतिविधियों में विसंगतियां। सरकारें और अंतर्राष्ट्रीय संगठन डीपफेक से निपटने के लिए कानूनी और नियामक ढाँचे की खोज कर रहे हैं। इसमें साइबर अपराध के एक रूप के रूप में डीपफेक को परिभाषित करना, रिपोर्टिंग तंत्र स्थापित करना और उत्पादकों और वितरकों को जवाबदेह बनाना शामिल है।

सार्वजनिक जागरूकता और शिक्षा के जरिये डीपफेक के प्रभाव को कम करने के लिए जनता को इसके बारे में शिक्षित करना महत्वपूर्ण है। इसमें लोगों को डीपफेक की पहचान करना, हेरफेर की क्षमता को पहचानना और ऑनलाइन सामग्री साझा करने के बारे में सतर्क रहना सिखाना शामिल है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकी कंपनियों पर डीपफेक से निपटने की ज़िम्मेदारी है। इसमें पता लगाने वाली तकनीकों में निवेश करना, स्पष्ट नीतियां लागू करना और कानून प्रवर्तन के साथ काम करना शामिल है। डीपफेक से निपटने के लिए एआई-आधारित समाधान में चेहरे की हरकतों, त्वचा की बनावट और आवाज के पैटर्न में सूक्ष्म विसंगतियों के आधार पर डीपफेक की पहचान करने के लिए एआई मॉडल को प्रशिक्षित किया जा सकता है। सोर्स कोड वॉटरमार्किंग डिजिटल सामग्री के सोर्स कोड में अद्वितीय वॉटरमार्क-एम्बेडेड करने से डीपफेक की उत्पत्ति का पता लगाने और अपराधियों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। एआई-संचालित तथ्य-जाँच उपकरण (फैक्ट-चेक टूल्स) उपयोगकर्ता-जनित सामग्री (यूजर-जनरेटेड कंटेंट) की प्रामाणिकता को सत्यापित करने में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की सहायता कर सकते हैं। मीडिया प्रमाणीकरण मानक कोएलिशन फॉर कंटेंट प्रोवेनेन्स एंड ऑथेंटिसिटी जैसे खुले तकनीकी मानक डिजिटल सामग्री की प्रामाणिकता (ऑथेंटिकेशन) स्थापित करने में मदद कर सकते हैं।

भारतीय चिंतन और अध्यात्म का, विश्वदृष्टि का प्रचार करने के लिए भारत को अपने स्वयं के एआई एल्गोरिदम विकसित करने और प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। एआई पूर्वाग्रह का मुकाबला करने का शायद यही एकमात्र तरीका है। यदि भारत विरोधी ताकतें वास्तव में अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को प्रचारित करने के लिए एआई का सक्रिय रूप से उपयोग कर रही हैं, तो हमें एआई का अपना संस्करण बनाने की जरूरत है जो भारत समर्थक हो। कई हित समूहों और हितधारकों द्वारा बढ़ती मध्यस्थता वाली दुनिया में, ज्ञान अब उदासीन नहीं रह सकता है। हमें एआई के निष्क्रिय उपभोक्ताओं और बड़ी तकनीकी कंपनियों की सफेदपोश कार्यबल के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़ कर सोचना होगा, और लगातार विकसित हो रहे एआई विमर्श में सक्रिय खिलाड़ी बनना ही पड़ेगा। डीपफेक हमारे डिजिटल समाज के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करते हैं, हालांकि वे नवाचार और सहयोग का अवसर भी पेश करते हैं। तकनीकी प्रगति, कानूनी ढाँचे और सार्वजनिक जागरूकता के संयोजन से, हम एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम कर सकते हैं, जहाँ डीपफेक कम हानिकारक और अधिक जवाबदेह होंगे। निष्कर्षत- मुख्य रूप से एक व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है, जो इस उभरते खतरे के तकनीकी, कानूनी और नैतिक आयामों को संबोधित करता हो।

नीट और नेक्स्ट के विरोध में आंदोलन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली अखिल भारतीय परीक्षा नीट का विरोध लंबे समय से कर रहे हैं। उन्होंने विधानसभा से इसका प्रस्ताव पास कराया है। इस मामले में राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके भी उनके साथ है। लगभग सभी पार्टियां चाहती हैं कि तमिलनाडु को नीट से बाहर किया जाए। ध्यान रहे तमिलनाडु में मेडिकल की पढ़ाई का बहुत अच्छा बुनियादी ढांचा है और वहां पहले 12वीं के अंकों के आधार पर मेडिकल में दाखिला होता था। वहां के बच्चों को मेडिकल पढ़ने के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना होता था। लेकिन नीट लागू होने के बाद सब कुछ बदल गया है और इसका

नतीजा यह हुआ है कि हर बार नीट के नतीजों के समय राज्य में छात्रों की खुदकुशी की खबरें आती हैं। स्टालिन ने कहा है कि नीट को हटाने के लिए आंदोलन की बात कही है। उन्होंने कहा है कि वे जनता का साथ लेकर परीक्ष की इस व्यवस्था को खत्म कराएंगे। इसी तरह उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई के बाद प्रैक्टिस शुरू करने से पहले होने वाले एक्जिट टेस्ट यानी नेक्स्ट का भी विरोध करने का फैसला किया है। कई जानकार भी इस व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन मेडिकल, कानून आदि की पढ़ाई के बाद प्रैक्टिस शुरू करने से पहले एक्जिट टेस्ट की शुरुआत पूरे देश में हो गई है। इसे भी स्टालिन ने जनता को साथ लेकर खत्म करने का ऐलान किया है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर वे लोकसभा चुनाव लड़ेंगे ताकि केंद्र में सरकार बना कर इसे बदला जा सके।

-मोहन कुमार-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

इजाजत नहीं

तुम बेशक बना सकते हो
मुझे अपनी मेहबूबा ,
दिल खोल दर्पण सा दिखा
सकते हो,एहसास मीठा !
यकीनन तुम सच्ची मुहब्बत
कर सकते हो ,
हद से भी ज्यादा
मेरी फिकर कर सकते हो !
ख्वाब में ख्वाइशों का
मेला लगा लिया होगा ,
बेकरार दिल,मुझे देख
बाग-बाग कर लिया होगा !
फ़ितरत नहीं होगा, तेरा मुकरना ,
मनोरथ होगा,मुझसे जुड़ें रहना !
कभी-कभी हद पार कर जाओगे ,
ना बात करने पर,
बेकरार हो जाओगे !
मेरी रूह में प्यार जगाना चाहोगे ,
जो ना मिली,मर जाओगे .....!
एक प्रेम भरी दोस्ती से,
प्यार करना चाहता हूँ ,तक
आज बात नहीं की से,बेताब हूँ
मिलना चाहता हूँ ,तक
सब पैतरा अपना सकते हो ,
धीरे-धीरे चलकर
दौड़ लगा सकते हो !
ख्यालों में हमें बुला सकते हो
तुम बिना रोक टोक प्यार निभा
सकते हो.....!
पर ,,,,,,,,,,,,
मेरा तो प्रेम हैं
मेरे दिल को इश्क़ की इजाजत नहीं
तुमसे .....!!

प्रतिभा पाण्डेय
'प्रति'
चेन्नई

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बचपन

एक बचपन का जमाना था,
जिसमे खुशियों का खजाना था।
चाहत चांद को पाने की थी .....
पर दिल तितली का दीवाना था ,
खबर न थी कुछ सुबह की ...
न शाम का ठिकाना था,
एक बचपन का .....।
थक कर आना स्कूल से ...
पर खेलने भी जाना था ,
दादी नानी की कहानी थी....
और पारियों का फसाना था ,
पापा की डांट थी...
तो मम्मी का प्यार भी था,
एक बचपन का .....।
न पढ़ने की चिंता थी ..
न फेल होने का डर था ,
बारिश में कागज की नाव थी....
हर मौसम सुहाना था ,
एक बचपन का .....।
ऐसा हमारा बचपन था ,
ऐसा हमारा बचपन था।

प्रातिमा साहू
आमाचानी,
मगरलोड,
धमतरी
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अपने लक्ष्य को अपनी निगाहों में रखो

राहों में मुश्किलें हजार आएगी,
इन मुश्किलों से
डर कर कभी मत रुको,
अपने लक्ष्य को
अपनी निगाहों में रखो।
सफलता तेरे पास नहीं आएगी,
तुम्हें सफलता
की तरफ बढ़ना होगा,
मंजिल जरूर मिलेगी
न रुको न थको,
अपने लक्ष्य को
अपनी निगाहों में रखो।
कुछ पाने की हमेशा
एक आस रखो,
अपने सपनों को
हमेशा कुछ खास रखो,
सपना जरूर सच होगा
इसे दिमाग में रखो,
अपने लक्ष्य को
अपनी निगाहों में रखो।
तुझमें हिम्मत है
तू सब कुछ कर दिखाएगा,
हर रोज कदम बढ़ाने से
मंजिल पा जाएगा,
अपने मंजिल को
अपनी बाहों में रखो,
अपने लक्ष्य को
अपनी निगाहों में रखो।

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

निजी वाहन में पुलिस अधिकारी को नीली बत्ती लगाने का नहीं है अधिकार

- बसदेई चौकी प्रभारी कैसे अपने निजी वाहन में नीली बत्ती लगाकर घूम रहे?
- क्या बसदेई चौकी प्रभारी को अपने उच्च अधिकारियों का नहीं है डर?...
- सूरजपुर के बसदेई चौकी प्रभारी अपने निजी वाहन में नीली बत्ती लगाकर बिखेर रहे हैं जलवे
- दिख रहे है अपना प्रभाव,क्या अधिकारियों की अभी तक नहीं पड़ी नजर
- क्या एमसीबी जिले के तर्ज पर सूरजपुर जिले में भी काम करते नजर आ रहे हैं उप निरीक्षक?
- अधिकारियों को खुश कर कमाने की इनकी है पुरानी आदत,एमसीबी के एसपी के बाद अब वह सूरजपुर में भी जमा बैठे हैं धाक
- क्या बिना प्रभार इन्होने नही काम करना पसंद है,सिपाही से लेकर उप निरीक्षक बनने तक हमेशा रहे प्रभार में?

- ओंकार पांडेय -
सूरजपुर,30 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस विभाग लोगों के लिए न्याय का दरबार होता है इन्हें लोक सेवक भी कहा जाता है क्योंकि इसे जनता का सीधे सरोकार होता है, पर सवाल यह भी होता है और कहा भी जाता है की पुलिस की वर्दी में काफी ताकत होती है क्या यही वजह है कि इसे पहनने वाला बहुत ताकतवर होकर उसे वर्दी का दुरुपयोग करता है या फिर अपने पद का दुरुपयोग करता है? पुलिस की वर्दी पहनने के बाद यदि आप अपने आप को सुपरमैन समझ कर लोगों को न्याय दिलाना का काम करते हैं तब तो समझ में आपकी और आपके किए गए कामों की सराहना होती है पर यदि समाज के विरुद्ध यदि काम करते हैं तो आपकी बदनामी भी होना लाजमी, पुलिस विभाग समाज की सुरक्षा के लिए बनाई गई है और समाज की सुरक्षा इनकी जिम्मेदारी है पर यदि समाज की सुरक्षा करने वाले ही अपने ही नियम कायदे कानून को ना माने और नियम विरुद्ध तरीके से काम करके सुर्खियां बटोर तो फिर इनसे उम्मीद क्या की जा सकती है पुलिस विभाग में अनुशासन बहुत जरूरी है पर यानी अनुशासन ही ना हो तो वैसे पुलिसकर्मियों की क्या औकात? कुछ ऐसा ही अक्सर पुलिस विभाग में देखने सुनने को मिल जाता है ऐसा ही पुलिस विभाग के ही एक उपनिरीक्षक की बात करें जो नियम विरुद्ध तरीके से अपने निजी वाहन में पुलिस की पुलिस की नीली बत्ती व सायरन लगाकर बेधड़क चलते हैं जहां पर पुलिस विभाग के अधिकारियों को अपने निजी वाहन में सायरन वह नीली बत्ती लगाने की अनुमति नहीं है वहां पर एक उप निरीक्षक अपने वाहन में नीली बत्ती व सायरन लगाकर अपना धौस दिख रहे हैं क्या शायद उनके उच्च अधिकारियों को यह नहीं दिखता यह कहा जाए तो काफी प्रभावशील उप निरीक्षक है जिस वजह से कोई इन्हे बोल नहीं सकता कई अधिकारी और यह प्रभावशील इसलिए भी माना जा सकता है क्योंकि यह पड़ोसी जिले यानी कि कोरिया व एमसीबी दोनों में काम करते हुए एक अलग ही कीर्तिमान हासिल कर चुके हैं वह भी कीर्तिमान ऐसा है कि किसी से छुपा नहीं है अधिकारियों को अपनी गिरफ्त में करने में यह माहिर है और अधिकारियों को अपने में गिरफ्त में करने के लिए अपनी विभाग के पुलिसकर्मियों की चुगली करके अधिकारियों के करीबी बनते हैं और उनकी सबसे अच्छी आदत यह है कि यह कहीं पर भी बिना प्रभारी के काम करना उचित नहीं समझते। इतने प्रभावशील पुलिसकर्मियों में इनकी गिनती आती है की यह एक ही जिले में आरक्षक से लेकर पदोन्नति होते-होते तक उप निरीक्षक बन गए थे पर जिला परिवर्तन नहीं हुआ था लंबे समय के अंतराल के बाद पहली बार जिला परिवर्तन हुआ और यह भी अपने ही पड़ोसी जिला पाने में सफल रहे यह भी माना जा रहा है कि यह भी जिला इन्हें जुगाड़ से प्राप्त हुआ है अब यह बात अलग है कि यह विभागीय मामला है पर उनके कार्यकर्ताओं को देखकर ही यह समझ में आ जाता है कि उनके लिए विभाग को मैनेज करना काफी आसान है सरकार किसी की भी हो और जिला में कोई भी चौकी थाना का प्रभारी बनना हो तो उनके लिए आसान हो जाता है।

जिले नय पर में कारनामा पुराने जैसा?

कोरिया उसके बाद विभाजित जिला एमसीबी में लगातार कीर्तिमान स्थापित करते हुए हमेशा थाना प्रभारी या चौकी सहायता केंद्र प्रभारी बनकर रहने वाले आरक्षक से उप निरीक्षक तक का सफर पूरा करने वाले वर्तमान में सूरजपुर जिले के बसदेई चौकी प्रभारी उप निरीक्षक नए जिले में भी अपना कारनामा करते नजर आ रहे हैं,सबसे बड़ी बात की जैसे ही इनका तबादला हुआ पहले तो यह जुगाड में लगे रहे की प्रभार मुक्त न होना पड़े इन्हे वहीं जब प्रभार मुक्त होना पड़ा जिला छोड़ना पड़ा तो इन्होंने पहले ही सभी जुगाड कर लिया। इन्होंने सबसे पहले पहुंचकर नए जिले में एक चौकी का प्रभारी बनने का जुगाड लगाया और उसमे सफल हुए फिर वहां अपनी धौंस जमाने में लग गए। आजकल इनकी अपनी निजी गाड़ी चर्चा का विषय है जिसमे इन्होंने नीली बत्ती लगाई हुई है जिससे यह एमसीबी से सूरजपुर जिले आना जाना भी करते हैं एमसीबी इनका गृह जिला है।

क्या नए जिले से आने के बाद उप निरीक्षक का बसदेई चौकी इंतजार कर रहा थी?

बसदेई चौकी के प्रभारी बने एमसीबी के खड़गवां थाने से स्थानांतरित हुए उप निरीक्षक के लिए जैसे की बसदेई चौकी इंतजार ही कर रहा था। यह जैसे ही सूरजपुर जिला पहुंचे इन्हे बसदेई चौकी का प्रभारी बनाया गया। कुल मिलाकर पहले ही पूरी सेटिंग करके यह पुराने जिले से भारमुक्त हुए। इनका जुगाड कितना अच्छा है कितना तगड़ा है इसी से समझा जा सकता है की थाना चौकी प्रभार में मिल जाए इसके लिए पुलिस विभाग में लंबी कतार रहती है लेकिन यह कतार तोड़कर आगे बढ़ने में माहिर हैं क्योंकि इनका जुगाड तगड़ा है बाकियों से।

अपने निजी वाहन में नीली बत्ती लगाकर तीन जिलों में बसदेई चौकी प्रभारी जमा रहे अपनी धौंस

सूरजपुर जिले के बसदेई चौकी प्रभारी अपनी निजी वाहन में नीली बत्ती लगाकर तीन जिलों में अपनी धौंस जमा रहे हैं,एमसीबी इनका गृह जिला है जहां इनका आना जाना लगभग प्रतिदिन है,कोरिया जिला बीच में पड़ता है वहीं सूरजपुर जिले में यह पदस्थ हैं अब इस तरह यह तीन जिलों में अपनी निजी गाड़ी में नीली बत्ती लगाकर खुद की धौंस बता रहे हैं।

क्या निजी वाहन में नीली बत्ती लगाना नियम अनुसार सही है

बसदेई चौकी प्रभारी अपनी निजी वाहन में नीली बत्ती लगाकर तीन जिलों में सफर कर रहे हैं,क्या यह जायज है क्या यह नियम अनुसार सही है ,अब इसका जवाब तो पुलिस विभाग के पास ही होगा की क्या यह अनुमति उन्हे पुलिस विभाग से मिली हुई है। वैसे लोगों के बीच तीन जिलों के लोगों के बीच यह चर्चा का विषय है क्योंकि कई जिलों के कई लोग पुलिस विभाग में बड़े बड़े पदों पर हैं लेकिन जब वह अपने गृह जिले आते हैं अपनी निजी गाड़ियों में तब वह कोई बत्ती अपनी गाड़ी पर नहीं लगाकर आते यह चर्चा का विषय है।

बसदेई चौकी क्षेत्र अवैध कारोबार का गढ़ माना जाता है, क्या जलवा बिखरने वाले उपनिरीक्षक लगा पाएंगे अंकुश?

जिस बसदेई चौकी का प्रभारी उपनिरीक्षक विजय सिंह को बनाया गया है वह क्षेत्र अवैध कारोबार का गढ़ माना जाता है, इस चौकी का प्रभारी अच्छे-अच्छे लोग बनना चाहते हैं ताकि यहां पर कमाई अच्छी हो सके क्या इसी वजह से इन्हें चुनकर यहां पद स्थापना दी गई है या फिर सही में पुलिस विभाग इस क्षेत्र से अवैध कारोबार को खत्म करना चाहता है? वैसे सूत्रों का मानेतो इस क्षेत्र में अवैध कारोबार के नाम पर खूब उगाही की जा रही है।

क्या अपने निजी वाहन में डलवाते हैं शासकीय ईंधन?

सूत्रों का कहना है कि चौकी प्रभारी अपने निजी स्कॉर्पियो वाहन में नीली बत्ती लगाकर तो घूम ही रहे है साथ अपने निजी वाहन में शासकीय ईंधन भी डलवा कर घूम रहे हैं बताया यह भी जा रहा है कि यह रोज चिरमिरी से ही आना जाना कर रहे हैं ऐसे में रोज का ईंधन खर्च देखा जाए तो उनके वेतन से ज्यादा हो जाएगा फिर भी आखिर उनके वाहनों में जो ईंधन डाल रहा है वह कहीं ना कहीं शासकीय ईंधन की ओर इशारा करता है सूत्रों का यह भी कहना है कि चिरमिरी से लेकर सूरजपुर तक में उनके वाहनों का ईंधन खर्च उठाने वाले कई लोग बैठे हुए हैं।

काट दिया फोन

इस संबंध में जानकारी लेने के लिए जब बसदेई चौकी प्रभारी विजय सिंह को फोन लगाया गया तो उन्होंने सवाल तो सुना पर जवाब देने से पहले ही फोन काट कर इंगेज कर दिया।

नहीं लगा सकते निजी वाहन में नीली बत्ती

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल से जब इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नीली बत्ती अपनी निजी वाहन में लगाने का अधिकार किसी को भी नहीं है यदि ऐसा हो रहा है तो यह गलत है इसकी जांच करवाते है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में पूरे राष्ट्र की तरह सरगुजा का घर-घर दीपों से होगा आलोकित

- सरगुजा के स्वयंसेवक देंगे घर-घर जाकर निमंत्रण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

अध्योध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होने वाला है। इसे लेकर अंबिकापुर प्रणव भवन में प्रांत प्रचारक प्रेम शंकर सिदार की उपस्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उनके अनुसांगिक संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरगुजा जिले में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। राम जन्मभूमि में पूजित अक्षत रामलला का चित्र व पत्रक लेने के लिए अंम्बीकापुर से इस कार्यक्रम के संयोजक विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष विनीत गुप्ता, सहसंयोजक संपत सिंह चंदेल 1 दिसंबर को रायपुर रवाना होंगे। रायपुर से अक्षत कलश लाने के बाद सर्वप्रथम मां महामाया मंदिर में पूजन किया जाएगा। इसके उपरांत 7 दिसंबर को नगर के दुर्गा मंदिर से पूजित अक्षत कलश शोभा यात्रा करते हुए राम मंदिर में पहुंचकर पुनः पूजन का कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात संघ कार्यालय में कलश को रखा जाएगा। बैठक में तय किया गया संघ द्वारा गठित टोली आमजन को घर-घर जाकर आमंत्रण देगी। विदित हो कि अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर संघ द्वारा पुरे राष्ट्र में बैठकों का आयोजन निरंतर जारी है। जिसमें कई टोलियां घर-घर जाकर अयोध्या से आए हुए अक्षत हल्दी (आमंत्रण हेतु) राम लला के प्राण प्रतिष्ठा को भव्य और दिव्य रूप देने के लिए महोत्सव को मनाने हेतु आग्रह किया जाएगा। जिला सरगुजा में भी इस कार्यक्रम के तहत प्रतेक घर में दीपावली महोत्सव की तरह हर घर दिप प्रज्वलन, झालर तोरण ,रंगोली मंदिरों में पूजा अर्चना, रामायण का प्रार्थना व हनुमान चालीसा वगैरा का आयोजन किया जाएगा।

आयुक्त एवं अपर आयुक्त न्यायालय कलेक्ट्रेट कम्पोजिट बिल्डिंग में लगाए जाने की मांग

- जिला अधिवक्ता संघ सरगुजा ने आयुक्त को सौपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजावासियों के जनहित में आयुक्त एवं अपर आयुक्त न्यायालय कलेक्ट्रेट कम्पोजिट बिल्डिंग में लगाये जाने की मांग करते हुए गुरुवार को जिला अधिवक्ता संघ सरगुजा ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है।

आयुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि जिला अधिवक्ता संघ द्वारा लम्बे समय से न्यायालय परिसर के आस-पास समस्त न्यायालय संचालित किए जाने की मांग है, जिसे पक्षकारों के साथ-साथ अधिवक्ताओं के समय की बचत हो, जिसके लिए अधिवक्ता संघ लम्बे समय से प्रयास कर रहा है। संघ ने कहा वर्तमान में ज्ञात हुआ है कि, अंबिकापुर नगर के भीतर से ग्रामीण क्षेत्र सरगवां में आयुक्त कार्यालय स्थानांतरित हो गया है। जहां पर आने-जाने कि सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। जो वर्तमान में न्यायालय परिसर से पांच किलोमीटर दूर है। अधिवक्ताओं को प्रकरण की पैरवी करने में अधिकांश समय आने-जाने में गुजर जायेगा तथा पक्षकारों को भी पृथक से वाहन सुविधा करके आयुक्त कार्यालय तक जाना पड़ेगा जिसे उनपर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ताओं को भी आयुक्त कार्यालय जाने में असुविधा का सामना करना पड़ेगा। उक्त क्षेत्र आदिवासी अंचल क्षेत्र है, जहां गरीब असहाय एवं पीड़ित पक्षकार निवास करते है। उक्त विषम परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए केवल आयुक्त न्यायालय एवं अपर आयुक्त न्यायालय कलेक्टर परिसर के कम्पोजिट बिल्डिंग में लगाया जाए। जिससे सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को भी व्यापक सुविधा होगी तथा सभी के बहुमूल्य समय की बचत भी होगी।

जिला अधिवक्ता संघ अंबिकापुर के अध्यक्ष हेमन्त तिवारी एवं सचिव विजय तिवारी ने कहा कि सरगुजा संभाग वासियों के हित में यह जनहित की मांग को अविलंब स्वीकार किया जाए और प्राथमिकता देते हुए आयुक्त न्यायालय एवं अपर आयुक्त न्यायालय कलेक्टर परिसर के कम्पोजिट बिल्डिंग में लगाये जाने पहल की जाए।

केन्द्रीय विद्यालय में मनाया गया दादा-दादी,नाना-नानी दिवस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बच्चों के दादा-दादी, नाना-नानी को सम्मानित करने तथा बच्चों द्वारा उनके प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने का एक अवसर देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष दादा-दादी, नाना-नानी दिवस मनाया जाता है। इसी तारतम्य केन्द्रीय विद्यालय अम्बिकापुर के प्राथमिक विभाग द्वारा यह दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में बालवाटिका-3 से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य राजेश प्रसाद कहा कि समाज के निर्माण तथा परिवार एवं बच्चों के जीवन में घर के बुजुर्गों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग वर्तमान समाज के नींव हैं जिनके मार्गदर्शन में भविष्य का निर्माण होगा। साथ ही उन्होंने उपस्थित अतिथियों से शिक्षकों तथा विद्यालय के प्रति अपना सहयोग तथा मार्गदर्शन बनाए रखने की अपील भी की। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। इसमें बालवाटिका के बच्चों द्वारा नृत्य, कक्षा 1-2 के बच्चों द्वारा नृत्य कक्षा पांचवीं के बच्चों द्वारा नाटक ÷अन्धेर नगरी÷ का मंचन किया गया। वहीं कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी नृत्य प्रस्तुति द्वारा सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में पधारे कुछ बुजुर्ग अतिथियों ने कार्यक्रम तथा विद्यालय व अपने बचपन व जीवन के अनुभव भी मंच से साझा किए। उनके द्वारा विद्यालय द्वारा उनके घर के बच्चों हेतु किये जा रहे प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम की अगली कड़ी में दादा-दादी, नाना-नानी के लिए खेलों का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी ने पूर्ण उत्साह से सहभागिता की। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को प्राचार्य द्वारा उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक विभाग की एच एम किरण कुजूर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक विभाग के शिक्षक आनन्द खेस, रत्ना श्रीवास्तव, विलियम सोरेंग, धर्मेन्द्र लहरे, पंकज कुमार तिवारी, अंकुश सिन्हा, अमित विश्वकर्मा, स्मिता सिंह, काजल सिंह, मेघा कश्यप, शुभम कश्यप, अजय साहू, करुणा पाण्डेय, संध्या किरण, शुभम कश्यप आदि सक्रिय रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया औचक निरीक्षण दिया आवश्यक दिशा निर्देश

- संवाददाता -
सरगुजा, 30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)। सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुहे के मार्गदर्शन में खंड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिंह ,सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज तिवारी, संकुल समन्वयकों के द्वारा विगत 5 दिनों में सैकड़ो स्कूलों का निरीक्षण किया गया है। प्रतिदिन पांच पांच स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है जहां स्कूलों में मूलभूत सुविधा शिक्षक व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति विद्यार्थियों में शैक्षणिक स्तर सहित अन्य बिंदुओ को लेकर प्रधान पाठक और शिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने से हटाया गया अतिक्रमण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने सड़क पर लगने वाली जाम से अब मुक्ति मिलेगी। नगर निगम व पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को अभियान चलाकर सड़क के दोनों ओर लगे अस्थानई गुमटी व ठेले वालों पर कार्रवाई करते हुए जेसीबी से अतिक्रमण हटाया है। सड़क किनारे अतिक्रमण किए जाने से अस्पताल के सामने हर दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती थी। इससे मरीजों व उनके परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने से एनएच की सडक़ गुजरी है। सडक़ के किनारे ठेला व गुमटी लगाकर लोगों ने अतिक्रमण कर रखा था। अतिक्रमण किए जाने से मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने आए दिन जाम की स्थिति निर्मित होती थी। वहीं कई बार जाम के कारण एंबुलेंस भी फंस जाती थी। अस्पताल प्रबंधन द्वारा लगामार शिकायत के बाद पुलिस व निगम की टीम ने कई बाद चेतावनी व कार्रवाई कर चुकी है। कार्रवाई के एक-दो दिन बाद पुनः लोगों ने अतिक्रमण कर अपना धंध शुरू कर देते थे। इससे अस्पताल प्रबंधन काफी परेशान थी। अस्पताल प्रबंधन ने पुनः कार्रवाई के लिए निगम व पुलिस को अवगत कराया था। इसके बाद गुरुवार को नगर निगम व पुलिस की टीम ने जेसीबी से अस्पताल के सामने लगे लगभग 30 से अधिक अस्थाई ठेला व गुमटी को हटाने की कार्रवाई की है। वहीं पुनःदुकान लगाने वालों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

चरित्र शंका पर टांगी से मार कर पत्नी की हत्या,आरोपी पति गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजखेता सत्तीपारा में बुधवार की रात चरित्र शंका पर पति ने पत्नी की टांगी से मार कर हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार घनश्याम माझी सीतापुर थाना क्षेत्र के सत्तीपारा का रहने वाला है। 29 नवंबर की रात को वह गांव में घुमने गया था। वहीं उसका बेटा रमेश्वर अटल आवास में सोने गया था। कुछ देर बाद घनश्यम घुमकर घर आया तो उसकी पत्नी घर में नहीं थी। वहीं घनश्याम पूर्व से ही पत्नी बुधनी के ऊपर चरित्र शंका करता था। कुछ देर बाद उसकी पत्नी घर आई तो पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। गुस्से में आकर घनश्याम ने पत्नी को टांगी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। वहीं सुबह इसका बेटा रमेश्वर घर आकर देखा तो उसकी मां की लाश पड़ी थी और पिता टांगी लेकर बैठा था। बेटा ने मामले की जानकारी सीतापुर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक नोहर साय, प्रधान आरक्षक नंदकुमार प्रजापति, आरक्षक पंकज देवांगन, जीतेन्द्र सिंह, संजय एक्का शामिल रहे।

लाहौर में भारतीय सिख परिवार से बंदूक की नोक पर लूट,पुलिस की वर्दी में थे अपराधी;जांच जारी

इस्लामाबाद, 30 नवम्बर 2023। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में पुलिस की वर्दी पहने लुटेरों ने एक भारतीय सिख परिवार के साथ लूटपाट की। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

बाजार में खरीददारी कर रहा था परिवार

पुलिस के प्रवक्ता एहतशाम हैदर ने बताया कि गुरु नानक देव की जयंती समारोह में शामिल होने के लिए भारत से यहां पहुंचे कंवलजीत सिंह और उनके परिवार के सदस्य बुधवार को गुरुद्वारा ननकाना साहिब से लौटने पर खरीदारी के लिए लाहौर के गुलबर्ग इलाके में लिबर्टी मार्केट गए थे। उन्होंने बताया कि सिख परिवार जब एक दुकान से बाहर आया तो पुलिस की वर्दी पहने दो लुटेरों ने उन्हें रोका और बंदूक की नोक पर नकदी और गहने लूट लिए।

ढाई लाख भारतीय रुपये और गहने लूटे

उन्होंने बताया कि लुटेरों ने सिख परिवार से 250,000 भारतीय रुपये और 150,000 पाकिस्तानी रुपये के अलावा गहने लूट लिए। घटना के बाद वहां लोग जमा हो गए और फिर सिख परिवार के साथ स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुंचे। गुलबर्ग पुलिस के स्टेशन हाउस ऑफिसर ने अपने वरिष्ठ अधिकारी को सूचित किया जो वहां पहुंचे।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने मामले का संज्ञान लिया

हैदर ने कहा, पुलिस उप महानिरीक्षक ने भारतीय सिख परिवार से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि लुटेरों को गिरफ्तार किया जाएगा और उनके नुकसान की भरपाई की जाएगी। पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने भी सिख तीर्थयात्री परिवार से की गई लूट की घटना का संज्ञान लिया है और लाहौर पुलिस प्रमुख से तुरंत रिपोर्ट मांगी है।

अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए निर्देश जारी

नकवी ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए संदिग्धों की तत्काल पहचान पर जोर देते हुए डकैती में शामिल लोगों की जल्द गिरफ्तारी का निर्देश दिया है। उन्होंने गुलबर्ग जैसे इलाके में सिख परिवार को लूट की घटना को सुरक्षा में गंभीर चूक करार दिया और दोषियों को 48 घंटे के भीतर न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया।

गुरु नानक जयंती पर पाकिस्तान में हैं भारतीय सिख श्रद्धालु

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नकवी ने जोर देकर कहा कि इस मामले में किसी भी लापरवाही की पहचान की जानी चाहिए,और जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिख तीर्थयात्री सम्मानित अतिथि हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना एक जिम्मेदारी है। बता दें कि ढाई हजार से ज्यादा भारतीय सिख अभी गुरु नानक देव की जयंती के सिलसिले में पाकिस्तान में हैं।

रामास्वामी को झटका

राजनीतिक निदेशक का चुनावी अभियान से किनारा,डोनाल्ड ट्रंप के साथ जुड़े ब्रायन स्वेनसेन

वाशिंगटन,30 नवम्बर 2023। रिपब्लिकन से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए तमाम उम्मीदवारों में रेस चल रही है। जहां एक तरह भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी इस रेस में जीत के लिए दौड़ लगा रहे हैं वहीं दूसरी तरफ, निक्की हेली भी रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की जोर अजमाइश कर रही है। इसी बीच, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विवेक रामास्वामी के शीर्ष सहयोगी ने इस्तीफा दे दिया है और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अभियान में शामिल हो गए हैं।ब्रायन स्वेनसेन ने रामास्वामी अभियान के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है।

सूत्रों की मानें, ब्रायन स्वेनसेन अब ट्रम्प अभियान के साथ जुड़ गए हैं। बताया जा रहा है कि शुरूआती मतदान वाले राज्यों में स्वेनसेन अभियान के राजनीतिक संचालन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि रिपोर्ट की माने तो स्वेसेन का जाना रामास्वामी के लिए एक झटका है।

बता दें कई चुनावी रैलियों और चर्चाओं में रामास्वामी डोनॉल्ड ट्रम्प की तारीफ करते भी नजर आए हैं। यहां तक कि उनके द्वारा ट्रम्प को 21वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रपति भी कहा गया था।

इससे पूर्व रामास्वामी टीम के वीडियोग्राफर ब्रैंडन गुडइर ने भी अभियान से किनारा किया था।

ब्रायन स्वेनसेन के इस्तीफे के बाद रामास्वामी अभियान के प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा, %स्वेनसेन को सहयोग के लिए धन्यवाद, हम उनके अच्छे भविष्य की कामना करते हैं।% साथ ही उन्होंने कहा, स्वेनसेन की जिम्मेदारियों के देखरेख वरिष्ठ सलाहकार माइक बिउंडो को सौंपी गई है।

रामास्वामी की बहसों में उनके राजनीतिक अनुभव की कमी, ताइवान और इस्राइल में अमेरिकी भागीदारी से संबंधित कई विवादास्पद विदेश नीति पर रुख पर सवाल खड़े किए हैं।

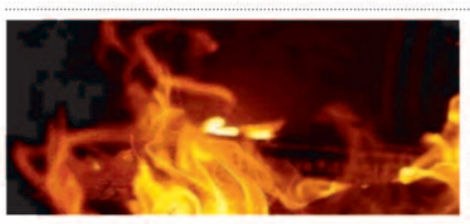

3 मंजिला छात्रावास में लगी भीषण आग,13 लोगों की मौत,59 को सुरक्षित बाहर निकाला

अस्ताना,30 नवंबर 2023। कजाकिस्तान के अल्माटी में गुरुवार को एक छात्रावास में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। कजाकिस्तान के आपातकालीन विभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि आग तीन मंजिला आवासीय इमारत के बेसमेंट में लगी थी। इस इमारत की पहली मंजिल और बेसमेंट को छात्रावास में बदल दिया गया था। इस घटना के समय छात्रावास में 72 लोग थे, जिनमें से 59 बाहर निकलने में कामयाब रहे।

मानसिक रोग कार्यक्रम एवं तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एन गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विकासखण्ड अम्बिकापुर के ग्राम बिशुनपुर के पंचायत भवन में गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक रोकथाम कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत होलीक्रॉस वुमेन्स सोशल वर्क विभाग के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ एवं मानसिक रोग से बचाव तथा तम्बाकू के दुष्परिणाम के संबंध में विस्तार से बताया गया। शिविर में लगभग 200 लोगों का पंजीयन कर उन्हें तम्बाकू नशा मुक्ति संबंधी परामर्श प्रदान किया गया साथ ही तम्बाकू सेवन करने वाले व्यक्तियों को मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र में दवाईयां एवं उचित उपचार की सलाह दी गई। इस दौरान जिला सहायक नोडल डॉ राजप्रीत कौर, जिला सलाहकार हनी गॉटलिब,सोशल वर्कर श्रीमती रानू गुप्ता, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसेफ, समाजकार्य विभाग की विभागाध्यक्ष अलमा मिंज, सहायक प्राध्यापक प्रेरणा लकड़ा एवं अंजना तथा छत्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जिला सहायक नोडल डॉ कौर ने आमजनों को तम्बाकू के सेवन से होने वाली बिमारियों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि गुढाखू अथवा तम्बाकूयुक्त पदार्थ का सेवन कैंसर व गैर संचारी रोग संबंधी बिमारी का कारण बनता है। उन्होने कहा कि कई सारे मरीज ऐसे होते हुए जो इसे छोड़ना चाहते है किन्तु उचित मार्गदर्शन न होने की स्थिति में संभव नही हो पाता। उन्होंने बताया कि आमजन किसी भी दिन अपनी नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में संपर्क कर तम्बाकू छोड़ने एवं उससे छोड़ने हेतु उपयोग में आने वाली दवाईयां जानकारी प्राप्त कर सकते है। तम्बाकू के सेवन से कई समस्या होती है, धुंआ रहित तंबाकू मुख कैंसर का प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति में नशे की अन्य आदतों वाले पदार्थो द्वारा गतिविधियों में सहनशीलता विकसित होती हैं। तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करें, तंबाकू उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को कम करना, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (व्यापार और वाणिज्य, उत्पादन और आपूर्ति और वितरण का निषेध) अधिनियम, 2003 के तहत प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित कराना तथा तंबाकू का सेवन छोड़ने में लोगों की मदद करें।

बता दें कि पूरे भारत में तम्बाकू नियंत्रण कानून (COTPA ACT2003) को लागू करने के लिए वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) की शुरुआत की गई, ताकि तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे मे जनसामान्य में अधिक से अधिक जागरूकता लाया जा सके।

कैडेटों में जिज्ञासा तथा ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने सैनिक स्कूल में क्वीज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सैनिक स्कूल के कैडेटों में जिज्ञासा तथा ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में 28 एवं 29 नवंबर 2023 क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जूनियर एवं सीनियर दो वर्गों में आयोजित की गयी। प्रतियोगिता को खेल, विज्ञान, समसामायिक विषय, पुस्तक और लेखक, दृष्य एवं ध्वनि आधारित प्रश्न, रैपिड फायर राउंड और रक्षा परिदृश्य जैसे चक्रों में बांटा गया। प्रतियोगिता मे लगभग 200 प्रश्न पूछे गये और कैडेटों द्वारा निर्धारित समय सीमा में दिये गये उत्तरों के आधार पर अंक प्रदान किये गये।

आयोजित प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में मॉनेकशा हाउस में सम्मिलित कैडेट दिव्यांशु सिंह, कैडेट आर्यन पटेल, कैडेट विक्रम सिंह तथा जूनियर वर्ग में करियप्पा हाउस में सम्मिलित कैडेट प्रांशुल मिश्रा, कैडेट अंकित कुमार, कैडेट शांतनु सिंह तथा कैडेट अरुण प्रताप सिंह की टीम विजेता रहे।

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर की प्राचार्य कर्नल मिताली मधुमिता, सेना मेडल ने विजेता सदनों के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र और ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि रक्षा सेनाओं तथा रक्षा उपकरणों से संबंधित सामान्य ज्ञान की नियमित रूप से तैयारी करें और स्वयं को अपडेट रखें। सीनियर वर्ग के क्विज मास्टर अख्तर रज़ा खान तथा जूनियर वर्ग की क्विज मास्टर मधु गुप्ता के शोध कार्य,प्रश्नों के स्तर और प्रस्तुतीकरण की प्रशंस करते हुए उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के कैडेट तथा समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के संबंध में की गई वीडियो कॉन्फ्रेंस

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सहित निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारी रहे मौजूद

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2023 हेतु 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना के संबंध में गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वीडियो कांफ्रेंस में ई.व्ही.एम एवं डाक मतपत्रों की मतगणना के संबंध में राज्य के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सहित निर्वाचन में संलग्न अधिकारियों को मतगणना की बारीकियां और इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। मतगणना हेतु भारत निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन सुनिश्चित करने एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु चाक चौबंद व्यवस्था रखने निर्देशित किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मतगणना दिवस व मतगणना की कार्यवाही, डाक मतपत्रों का पुनर्सत्यापन, डाक मत पत्रों की गणना के बाद ई.व्ही.एम में दर्ज किए गए मतों की गणना की प्रक्रिया, प्रत्येक राउंडवार परिणामों की घोषणा, गणना उपरांत की जरूरी कार्यवाही, ईवीएम सीलिंग, इत्यादि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिले से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, पोस्टल बैलेट नोडल एवं नगरनिगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, सभी रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर, एवं निर्वाचन से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

मतगणना 3 दिसंबर को

जिले में डाक मतपत्र से कुल 4264 मतदाताओं ने किया मतदान

- 30 नवंबर की स्थिति में सेवा मतदाताओं से प्राप्त 260 ईटीपीबी
- इस बार विशेष मतदान दलों ने घर-घर जाकर भी कराई वोटिंग, होम वोटिंग में 166 वृद्धजनों तथा दिव्यांगजनों ने किया मतदान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिले में 03 दिसंबर को मतगणना होनी है जिसमें पोस्टल बैलेट यानी डाक मतपत्र और ईवीएम वोटिंग दोनों की मतगणना की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा मतगणना के लिए ईवीएम मतगणना हेतु 14-14 टेबल लगाए जाएंगे। डाक मतपत्र की गणना के लिए भी अलग टेबल लगाए जायेंगे। जिसमें लुण्ड्रा विधानसभा हेतु 2 टेबल, सीतापुर विधानसभा हेतु 3 टेबल और अम्बिकापुर विधानसभा हेतु 4 टेबल लगाए जायेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाताओं को डाकमत पत्र के माध्यम से मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई जहां जिले के मतदान एवं सुरक्षा कर्मियों ने सुविधा

केंद्रों में मतदान से पूर्व डाक मतपत्र से मतदान किया, वहीं दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को इस बार होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई। वहीं सर्विस वोटर से ईटीपीबीएस यानी इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट के जरिए मतपत्र प्राप्त किए जा रहे हैं। जिले में डाक मतपत्र के माध्यम से अब तक होम वोटिंग तथा सेवा मतदाताओं एवं निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात कुल 4 हजार 264 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

30 नवंबर की स्थिति में सेवा मतदाताओं से प्राप्त 260 ईटीपीबी

जिले के ऐसे मतदाता जिन्हें सर्विस वोटर के रूप में चिन्हांकित किया गया, उन्हें वोट डालने ईटीपीबीएस के माध्यम से सूचना ऑनलाइन प्रेषित की गई। 30 नवंबर की स्थिति में जिले में 260 मतदाताओं के ईटीपीबीएस यानी इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोट डाला है। इसमें लुण्ड्रा विधानसभा में 50, अंबिकापुर विधानसभा में 72 और सीतापुर विधानसभा में 138 ईटीपीबी प्राप्त हुए हैं।

निर्वाचन ड्यूटी में तैनात 3838 कर्मियों ने मतदान दिवस से पहले डाले अपने मत-

निर्वाचन कार्य में तैनात ऐसे अधिकारी कर्मचारी जो सरगुजा जिले के निवासी हैं और जिले से बाहर कार्यरत हैं तथा जिनकी मतदान कार्यों में ड्यूटी लगाई गई है, साथ ही जिन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से डाक मतपत्र हेतु आवेदन किया था। उन मतदाताओं और जिले में तैनात मतदान कर्मियों ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया,इन मतदाताओं हेतु सुविधा केन्द्र बनाए गए। मतदान दलों के कर्मियों ने डाक मतपत्र के जरिए मतदान सुविधा केंद्र में मतदान दिवस से पूर्व मतदान कर लोकतंत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जिसमें कुल 3838 मतदाताओं ने डाक मतपत्र द्वारा मतदान किया, जिसमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा में 853, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर में 1907, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में 1078 मतदाताओं ने वोटिंग किया है।

इस बार विशेष मतदान दलों ने घर-घर जाकर भी कराई वोटिंग,होम वोटिंग में 166 वृद्धजनों तथा दिव्यांगजनों में किया मतदान

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस बार 80 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के वृद्धजन तथा 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले चिन्हांकित मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से होम वोटिंग की सुविधा दी गई। विशेष मतदान दलों द्वारा चिन्हांकित वृद्धजन एवं दिव्यांग मतदाताओं से डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया। जिले में होम वोटिंग के माध्यम से 80 वर्ष एवं इससे अधिक आयु के वृद्धजन तथा 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं में कुल 166 मतदाताओं ने डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग किया। जिसमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा से कुल 52, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर से 69, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर से 45 वृद्धजन एवं दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग की है।

सेवानिवृत्त हुए निरीक्षक संतोष वर्मा ने उत्कृष्ट कार्य से जिले में बनाई विशेष पहचान:पुलिस अधीक्षक सूरजपुर

- निरीक्षक संतोष कुमार वर्मा ने 43 वर्ष 9 माह तक दी विभाग में अपनी सेवाएं, पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस कार्यालय सूरजपुर में पदस्थ कार्यालय अधीक्षक निरीक्षक (अ) संतोष कुमार वर्मा ने पुलिस विभाग में 43 वर्ष 9 माह तक लगातार अपनी सेवा देकर 30 नवम्बर 2023 को सेवा निवृत्त हुये जिन्हें पुलिस कार्यालय में एक सादे समारोह में पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला सहित पुलिस अधिकारियों ने साल-श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान सेवानिवृत्त संतोष वर्मा के परिजन व मित्रगण भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे वर्मा ने सदैव अपने कार्यो के प्रति जवाबदेह रहे, उत्कृष्ट कार्य कर जिले में अपनी विशेष पहचान बनाई है, विभाग में लंबी अवधि तक लगातार जिला झाबुआ मध्यप्रदेश, जिला रायगढ़, सरगुजा व सूरजपुर में अपनी सेवाएं दी, इनके व्यक्तित्व में अनुशासन रहा है, जनता एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के समक्ष आदर्श छवि स्थापित करते हुए अपने अनुभवों से बेहतर कार्य करते हुए अधिनस्थों को सहयोग व मार्गदर्शन दिया।

पुलिस विभाग की सेवा से सेवानिवृत्त हुए निरीक्षक संतोष कुमार वर्मा को पुलिस अधीक्षक ने साल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित करते हुए पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदाय किया और बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में सेवानिवृत्त हुए वर्मा ने कहा कि सभी के सहयोग से उत्कृष्ट कार्य करने का अवसर मिला इसके लिए सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, डीएसपी रामश्रृंगार यादव, नंदिनी ठाकुर, महालक्ष्मी कुलदीप, रितेश चौधरी सहित कई अधिकारी व कर्मचारियों ने श्री वर्मा के साथ किए गए कार्य अनुभव के बारे में बताया।

इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी सिरिल एक्का, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, रामप्रसाद पैंकरा, थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह धुर्वे, अलरिक लकड़ा, सरफराज फिरदौसी, स्टेनो अखिलेश सिंह, निरीक्षक विमलेश दुबे, जावेद मियादाद, आनंद पैंकरा, यातायात प्रभारी सुनील सिंह, जिला पुलिस कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी, सेवानिवृत्त हुए वर्मा के परिजन व मित्रगण मौजूद रहे।

क्या सिर्फ अस्पताल की बड़ी-बड़ी इमारतें स्वास्थ्य सुविधा बेहतर कर पाएंगी या इमारत के भीतर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा भी मिलेगी?

क्या जनप्रतिनिधि बड़ी इमारतों को ही अपनी उपलब्धियों में गिनेंगे या फिर इमारत के अंदर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी दिलाएंगे

इस समय जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था सिर्फ बड़ी-बड़ी इमारत के चकाचौंध में मौजूद है,असलियत सिर्फ इमारत के अंदर घुसने के बाद समझ आती है

बड़ी-बड़ी इमारतों के भीतर संचालित शासकीय अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था दम तोड़ती नजर आ रही है

इमारत को देखकर बेहतर इलाज की कल्पना कैसे करें?...बाकी सब तो खरीदी व भ्रष्टाचार में स्वास्थ्य सुविधाएं दम तोड़ रही हैं

पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घटी घटना ने खोली जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल

जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था का कैसा हाल है यह पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घटी एक घटना ने अच्छी तरह साबित कर दिया। पटना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पटना के ही एक युवक को दिनांक 26 नवबंर को गंभीर हालत में ले जाया गया, युवक को हृदयाघात की आशंका खुद से ही थी और वह अस्पताल पहुंचकर सबसे पहले खुद को ऑक्सीजन देने की मांग करने लगा लेकिन उपस्थित डॉक्टर ने युवक को 7 मिनट के विलंब से ऑक्सीजन दिया,युवक पुलिस विभाग में कार्यरत था वह ऑक्सीजन के महत्व से भिग्य था और वह इसीलिए ऑक्सीजन की मांग करता रहा ,युवक को 7 मिनट विलंब से ऑक्सीजन दिया गया, वहीं न ही उसे सीपीआर दी गई न ऑक्सीजन ही दिया गया उसे युवक को सीधे रेफर करने में ही डॉक्टर ने ध्यान दिया, जिसके कारण युवक की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। मरीज को लेकर पहुंचे परिजनों की माने तो डॉक्टर ने कोई एक प्रयास अपनी तरफ से नहीं किया जिससे मरीज बच सके। आजकल हृदयाघात के मामले बढ़ते जा रहे हैं और ऐसे में यदि शासकीय अस्पताल की ऐसी दशा है की वह केवल रेफरल सेंटर बने हुए हैं तो यह चिंता की स्थिति है। युवक की जान तो चली गई लेकिन यह सवाल जरूर खड़ा कर गई की क्या डॉक्टर ने एक युवक को रेफर करने के चक्कर में मौत के मुंह में डाल दिया जबकि वह उसकी जान बचा सकती थीं।

इमारत को देखकर बेहतर इलाज की उम्मीद करना बेमानी

कोरिया जिले में शासकीय अस्पतालों की स्थिति यदि अच्छी है तो इमारतों के नाम पर अच्छी है,यहां इमारतें बनती जा रही हैं और स्वास्थ्य सुविधा का स्तर गिरता जा रहा है। इलाज के नाम पर सर्दी जुकाम और अन्य छोटी बीमारी के अलावा बड़ी किसी समस्या के आने पर उसका इलाज संभव नजर नहीं आता। जिले में जिला चिकित्सालय हो या समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कहीं पर भी मरीज विश्वास के साथ ले जाया जा रहा है नजर नहीं आ रहा है। अत्यंत मजबूरी में जाने पर भी शासकीय अस्पताल रेफरल सेंटर बने हुए हैं अस्पताल से गंभीर बीमार कितनी जल्दी कहीं और चला जाए यही प्रयास ज्यादा नजर आता है। कुल मिलाकर बड़ी इमारतों के अलावा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे है।

जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर की कमी से क्यों जूझ रहा?

जिला चिकित्सालय कहें या सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभी अस्पताल अनुभवी डाक्टरों की कमी झेल रहे हैं। अधिकांश डॉक्टर जो पदस्थ हैं वह किसी तरह समय काट रहे हैं जिन्हे बॉन्ड अवधि पूरी करनी है वहीं अस्पताल तो जगह जगह उपकृत हो रहे हैं लेकिन विशेषज्ञ चिकित्सक कहीं भी उपलब्ध नहीं हैं। जिला चिकित्सालय में ही सर्जन हैं भी तो एनेस्थेसिया के डॉक्टर का अभाव बना ही रहता है कुल मिलाकर स्वास्थ्य व्यवस्था केवल सर्दी जुकाम तक ही अपना जिम्मा निभा पा रहा है, जरा कोई गंभीर हुआ उसे रेफर करने में अस्पताल देरी नहीं कर रहे।

क्या डॉक्टर के अंदर सेवा भावना खत्म हो रही?

आज शासकीय अस्पतालों के डॉक्टरों के अंदर सेवा भावना का भी अभाव देखा जा रहा है। मरीज डॉक्टरों से जब घरों पर जाकर इलाज कराता है तब डॉक्टर मरीज को बेहतर सुविधा और समर्पण उसके स्वास्थ्य के प्रति जाहिर करते हैं लेकिन वही मरीज यदि शासकीय अस्पताल में जाकर यदि डॉक्टर से इलाज की उम्मीद रखता है तो वह नाउम्मीद हो जाता है। कुल मिलाकर सेवा भाव की भावना का कहीं न कहीं ह्रास होता देखा जा रहा है।

बैकुन्ठपुर जिला अस्पताल की बनती नई इमारत

पटना सामुदायिक स्वस्थ केंद्र की इमारत

बैकुन्ठपुर पुराने जिला अस्पताल की इमारत

-रवि सिंह-
कोरिया,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जनप्रतिनिधियों व सरकार से जनता कुछ चाहती है तो वह केवल मूलभूत सुविधाएं जो महत्वपूर्ण होती है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क,पानी व बिजली अहम है, इन सब की बेहतर व्यवस्था पर चुनाव लड़ना पहले प्रथम प्राथमिकता हुआ करती थी पर अब यह प्राथमिकता खत्म होकर मुक्तखोरी में तब्दील हो गई है, अब इन सुविधाओं पर किसी का भी ध्यान नहीं है सिर्फ ध्यान है तो इन सुविधाओं के बीच भ्रष्टाचार करके आय अर्जित करने पर, इस समय इन सब मूलभूत सुविधाओं से ही लोग वंचित हो रहे हैं उसकी सिर्फ वजह है सोच का बदलना, जहां पर इन सब सुविधाओं को

सुविधा आभाव व लापरवाही में गई एक युवक की जान

इतना बेहतर हो जाना चाहिए था की पीछे पलट के देखने की स्थिति निर्मित ना हो पर ऐसी स्थिति आज भी निर्मित है, आज लोग शिक्षा स्वास्थ्य को लेकर प्रदेश जिलों में जद्दोजहद करते नजर आ जाएंगे, सरकार भी दावे करती है कि हम बेहतर शिक्षा स्वास्थ्य बिजली पानी सब कुछ मुहैया करा रहे हैं स्थिति यह है की बेहतर कुछ भी नहीं है ना तो बेहतर शिक्षा है ना ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा ही है और ना ही बेहतर बिजली पानी व सड़क की व्यवस्था है, इसी मामले पर यदि आगे बढ़कर हम सिर्फ स्वास्थ्य की बात करें तो जिले में स्वास्थ्य के नाम पर जिला अस्पताल की बड़ी-बड़ी इमारतें हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नाम पर बड़ी-बड़ी इमारतें हैं देखकर लोगों को लगता है कि इस इमारत के पीछे बेहतर इलाज जरूर मिलेगा पर इसकी स्थिति तब उजागर हो जाती है जब लोग इस बड़े इमारत के अंदर जाते हैं और जिंदा होने के बजाय मुर्दा वापस आते हैं तब इनकी बेहतर सुविधाओं की पोल खुलती है। जिले में स्वास्थ्य के बड़े-बड़े दवा किए जाते हैं और कहा जाता है कि इस विधायक की यह उपलब्धि है उस विधायक की वह उपलब्धि है,स्वास्थ्य सुविधा को लेकर बहुत बड़ा जिला अस्पताल तैयार हो रहा है यह अस्पताल इमारत के नाम पर काफी बड़ी है पर बात की जाए सुविधाओं की तो पुराने जिला अस्पताल में ही बेहतर सुविधा नहीं मिल पा रही है तो फिर नए अस्पताल में बेहतर सुविधा कैसे मिलेगी? यह बड़ा सवाल है क्या बड़े अस्पताल में भी सिर्फ लोग स्वास्थ्य के नाम पर कमरा गिनने जाएंगे या फिर वहां पर जिंदा होने की उम्मीद से जाएंगे पर वहां से आएंगे मुर्दा यह सोचने वाली बात है।

जो डॉक्टर मौजूद हैं वह भी अपना दायित्व ईमानदारी से क्यों नहीं निभा रहे?

शासकीय अस्पतालों में जो डॉक्टर पदस्थ हैं वह भी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से नहीं निभा रहे हैं। डॉक्टर कुल मिलाकर अपना समय काट रहे हैं। समय पर आकर ओपीडी तक उन्हे अपनी जिम्मेदारी का एहसास है उसके बाद अधिकांश विशेषज्ञ डॉक्टर घरों पर इलाज करते हैं और वहां अस्पताल से ज्यादा समर्पित भाव से वह काम करते नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर अपने पेशे से उनकी ईमानदारी समाप्त नजर आती है जब वह शासकीय अस्पताल में होते हैं।

स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करना सिर्फ खरीदी तक सीमित, खरीदी के उपकरण का लाभ कब?

स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर शासकीय अस्पतालों में केवल खरीदी का ही खेल चल रहा है।उप करण खरीदने के दौरान डॉक्टरों को जनप्रतिनिधियों को काफी सक्रिय देखा जाता है लेकिन उन उपकरणों का लाभ जनता को कितना मिल रहा है इससे प्रति किसी का ध्यान नहीं जाता है। माना जाता है उपकरण खरीदी में कमीशन के कारण खरीदी में सभी का ध्यान रहता है लेकिन उसका लाभ मरीज को मिले यह जिम्मेदारी कोई नहीं निभा रहा है।

ऑन कॉल डॉक्टर का सिस्टम कब होगा खत्म, तीनों शिफ्ट में कब मिलेंगे स्पेशलिस्ट डॉक्टर?

ज्यादातर मामले जो सामने आ रहे हैं जिसमे मरीजों की कई बार जान चली जा रही है जिसमे यह भी पाया गया की जब गंभीर स्थिति में मरीज अस्पताल पहुंचता है तब विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते अस्पताल में उन्हे कॉल करके बुलाए जाने पर वह आते हैं और कई बार ऐसे में मरीज की मौत हो जाती है, जिसका उदाहरण एमसीबी जिले में भी देखने को मिला था, सवाल यह उठता है की शासकीय अस्पताल में हर समय विशेषज्ञ चिकित्सक की मौजूदगी क्यों संभव नहीं हो पा रही है? यदि हर समय हर शिफ्ट में विशेषज्ञ चिकित्सक अस्पताल में मौजूद होंगे मरीजों को सुविधा होगी ऐसी व्यवस्था कब लागू हो पाएगी?

एन एच एम में भी बड़ा फर्जीवाड़ा जारी,होनी चाहिए जांच

शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था मामले में एन एच एम में भी बड़े स्तर पर फर्जीवाड़ा हो रहा है। इसके अंतर्गत केवल बिल प्रस्तुत कर शासकीय राशि का बंदरबांट किया जा रहा है।

रविकांत सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट ने पीड़ित किसान को दिलाई एक व्यापारी से 20 हजार की अनुदान राशि,पेशे से पत्रकार हैं रविकांत

किसान की लाखों की फसल जलकर हुई थी खाक,प्रशासन के अनुदान राशि में विलंब देखकर एक व्यापारी ने दिखाई दरियादिली पीड़ित किसान को...की 20 हजार की मदद

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़ 30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

एक किसान की पकी हुई और कट कर तैयार फसल जलकर खाक हो गई वह किसान का धान नहीं धन था, परिश्रम का फल था जो जल गया था, खेतो में पसीने बहाकर जिस धान की रोपाई किसान ने कुछ महीने पहले की थी वह फसल पककर तैयार हो गई। किसान ने फिर पसीना बहाकर खेत मे धान कटाई की और उसे ट्रैक्टर में लादकर किसान अपने घर तक लाया। धान खरीदी केंद्र में धान बेचने की तैयारी थी, तब तक खलिहान में धान जलकर खाक हो गया। वीडियो में जो किसान रोते हुए अपने धान के जलने की जानकारी दे रहे है वो किसान भरतपुर ब्लाक के जनकपुर के तुर्रापारा के गेंदलाल बैगा हैं, मार्मिकता भरा उनका यह वीडियो बताता है की किसान मेहनत कर जब फसल उगाते है और वह फसल जब आग में जलकर राख हो जाता है तब किसान टूट जाता है किसान गेंदलाल सरकार से मुआवजे की गुहार लगाते फिर रहा है, लेकिन आचार संहिता के कारण उसे मुआवजा भी नसीब नहीं हो पा रहा है किसान की परेशानी को रविकांत सिंह राजपूत ने सोशल मीडिया पर डालकर इसकी जानकारी साझा की जिसके बाद पीड़ित किसान की एक सज्जन व्यापारी मदद ने के लिए आगे कदम बढ़ाया और किसान को 20

हजार का अनुदान राशि दिया जो काम प्रशासन का था वह काम एक व्यापारी ने मानवता दिखाते हुए करके दिखाया, व्यापारी के मानवता से शायद प्रशासन को सीख लेनी चाहिए, साथ ही प्रशासन को यह भी ध्यान देना चाहिए कि पीड़ित को जल्द से जल्द सहायता पहुंचाया जा सके जो अक्सर देखा नहीं जाता है विलंब से ही पीड़ितों को सहायता मिलती है जो प्रशासन की कमी है उसकी तत्परता में कमी है।

जानकारी के अनुसार जनकपुर के किसान गेंदलाल बैगा के धान की फसल खलिहान में जलकर खाक हो गई थी सोमवार को रविकांत सिंह द्वारा इस विषय पर सोशल मीडिया में पोस्ट किया गया था पोस्ट को पढ़कर अभिषेक टेंट हाउस के संचालक अभिषेक अग्रवाल ने पेशे से पत्रकार रविकांत सिंह से संपर्क किया और रविकांत सिंह ने किसान गेंदलाल से संपर्क कर उनसे उनका अकाउंट नम्बर प्राप्त कर अभिषेक अग्रवाल को दिया आज उन्होंने किसान गेंदलाल की आर्थिक मदद करते हुए 20 हजार रुपये गेंदलाल की पत्नी राधा बाई के खाते में डाले। अन्नदाता को सबसे पहले अनुदान देकर अभिषेक अग्रवाल ने एक नेक काम किया वहीं एक किसान की परेशानी में उसके मददगार बने, गैर जरूरतमंदों को स्वेच्छनुदान राशि देने वाले नेताओं को भी अन्नदाता को अनुदान देने के लिए आगे आना चहिए। हाल ही में यह भी देखने सुनने को मिला की नेता जिन्हे स्वेक्षानुदान देने की पात्रता होती है और उन्हे जरूरतमंदों को स्वेक्षानुदान राशि देनी होती है उनके द्वारा स्वेक्षानुदान राशि अपने चहेतों को दी गई थी और जिसको लेकर काफी हो हल्ला आरोप प्रत्यारोप भी लगे थे। आज किसान की तत्काल मदद कर एक व्यापारी ने साबित कर दिया की वह उन जनप्रतिनिधियों से कहीं बेहतर हैं जो जरूरतमंदों का ध्यान देने की बजाए अपने ही खास लोगों का ध्यान रखते हैं। किसान को एक पत्रकार की सोशल मिडिया पोस्ट से आर्थिक मदद मिली एक व्यापारी ने मदद की यह श्रेय के लिए व्यापारी ने किया इसको लेकर व्यापारी ने खंडन भी किया उनका कहना है की जरूरत में किसी की मदद करके उन्हे एक शुकून मिला जो श्रेय का मामला वह नहीं समझते वहीं खबर प्रकाशन का उद्देश्य भी किसी को श्रेय देना कतई नहीं है बल्कि आगे सक्षम लोग किसी की मदद के लिए आगे आएं यह उद्देश्य है। आज किसान जिसे सहायता तत्काल मिली वह कहीं न कहीं कुछ राहत महसूस कर रहा है लेकिन अब प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और जल्द से जल्द किसान को आर्थिक मदद मुहैया करानी चाहिए। एक व्यापारी ने जो मदद की वह उसकी स्वयं की प्रेरणा थी जबकि प्रशासन को मदद प्रेरणा से नहीं करनी है बल्कि व्यवस्था के तहत किसान को उसका अधिकार प्रदान करना है।

ई.व्ही.एम व डाक मतपत्र की मतगणना के संबंध में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले द्वारा छत्तीसगढ़ विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2023 हेतु ई.व्ही.एम, डाक मतपत्र की मतगणना के संबंध में आज राज्य के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। जिसमें डाक मतपत्र एवं ई.व्ही.एम की मतगणना के संबंध आवश्यक दिशा निर्देश उपस्थित जनों को दिये गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मतगणना दिवस व मतगणना की कार्यवाही, डाक मतपत्रों का रिवेरिफिकेशन, गणना उपरांत की कार्यवाही, ई.व्ही.एम में दर्ज किए गए मतों की गणना की प्रक्रिया इत्यादि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिले से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल, जिला टेबुलेशन प्रभारी सुश्री लीना कोसम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा, सभी रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर, पोस्टल बैलेट हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी एवं सहायक प्रोग्रामर, तकनीकी स्टाफ इत्यादि उपस्थित थे

विधानसभावार 20 से 22 राउंड में होगी मतगणना

विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतगणना 03 दिसम्बर 2023 को प्रातः 08:00 बजे से प्रारंभ होगी। मतगणना कार्य के सफल संपादन के लिए मतगणना ड्यूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को चरणो में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें मास्टर ट्रेनर के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों को मतगणना की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। जिसमें प्रशिक्षार्थियों को भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के तहत मतगणना संबंधित आवष्यक बिन्दुओं पर विस्तार से जानकारी दी जा रही है। विधानसभा वार मतगणना की प्रक्रिया मल्टीपल राउंड में होगी। जिसके तहत विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर (04) के अंतर्गत 275 मतदान केंद्र में 20 राउंड, विधानसभा क्षेत्र भटगांव (05) के अंतर्गत 306 मतदान केंद्र में 22 राउंड, विधानसभा क्षेत्र प्रतापपुर (06) के अंतर्गत 296 मतदान केंद्र में 22 राउंड में मतगणना कार्य किया जाएगा।

C M Y K

क्या दोनों राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशियों को एक दूसरे के भीतर घातियों पर ही बचा है जीत का भरोसा?

भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी... मनेंद्रगढ से भाजपा के श्यामबिहारी की हो सकती है जीत...

बैकुंठपुर विधानसभा में किसान होंगे निर्णायक, हार-जीत का आंकड़ा 5000 के अंदर

भीतरघातियों ने कितना किया काम 3 को परिणाम के बाद चलेगा पता...

तीनो सीटों पर क्लीन स्विप भी कर सकती है भाजपा!

बैकुंठपुर में गोंगपा ने कांग्रेस को पीछे धकेला,लेकिन किसान होंगे निर्णायक

प्रदेश की विधानसभा सीट क्रमांक 3 बैकुंठपुर में इस बार 81.94 प्रतिशत मतदान हुआ है, यहां से कांग्रेस ने वर्तमान विधायक एवं संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव को मैदान में उतारा है तो वहीं भाजपा ने पिछले बार के प्रत्याशी और पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े को ही मौका दिया,गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी ने एक बार फिर संजय सिंह कमरो को मौका दिया था। यह सीट पूर्व में कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है,हलांकि परिसीमन के बाद स्थिति काफी बदली है,भाजपा से पांचवी बार चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े पूर्व में दो बार जातिगत समीकरणों के कारण विजयी रहे हैं वर्ष 2018 में भाजपा सरकार के खिलाफ बने माहौल के कारण श्री राजवाड़े को हार का सामना करना पड़ा था। पिछले चुनाव में गोंगपा की बढत के बाद भी कांग्रेस की जीत हुई थी और अंबिका सिंहदेव विधायक निर्वाचित हुई थीं। इस बार के चुनाव में गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी ने बसपा से गठबंधन करते हुए चुनाव लड़ा है,जिससे कि गोंगपा का वोट बैंक भी बढा है इसके बाद भी बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में गोंगपा तीसरे स्थान पर रहेगी। मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही माना जा रहा है पूर्व में भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े की एकतरफा जीत मानी जा रही थी,लेकिन कमजोर चुनावी प्रबंधन और संगठन की नाकामी के कारण भैयालाल राजवाड़े की स्थिति भी कड़े मुकाबले में फंसी दिखलाई दे रही है। बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत की चुनावी सभा हुई थी इसके उलट भाजपा के एक भी स्टार प्रचारको ने इस क्षेत्र में सभा नही ली। बैकुंठपुर क्षेत्र में किसानों ने बड़ी संख्या में कर्ज ले रखा है साथ ही चुनावी सभा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चुनावी सभा में कोरिया को संभाग बनाने की घोषणा किया था जाहिर सी बात है कर्जमाफी और संभाग बनाने की घोषणा का असर यहां के मतदाताओं पर पड़ा है। पूर्व में कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव काफी कमजोर प्रत्याशी मानी जा रहीं थीं लेकिन चुनाव आते आते उन्होने अपनी स्थिति काफी अच्छी कर ली थी हलांकि एक बहुत बड़ा वर्ग व्यक्तिगत रूप से अंबिका सिंहदेव से नाराज था जिसका खामियाजा उन्हे भुगतना पड़ा है। बैकुंठपुर शहर मे खुद कांग्रेस को नुकसान हुआ है। गोंगपा इस बार पिछले बार की अपेक्षा लगभग 5000 मतो की बढत पर दिखलाई दे रही है। कांग्रेस के कुछ परंपरागत वोटर भी गोंगपा में जा चुके हैं, इस कारण कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव को नुकसान उठाना पड़ रहा है। बचरापोड़ी क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव मजबूत स्थिति में हैं। बहुत ही कड़े मुकाबले के बाद भी भाजपा के भैयालाल राजवाड़े लगभग 5000 मतो से इस सीट पर जीत हासिल कर लेंगे। किसान वर्ग बैकुंठपुर विधानसभा सीट पर निर्णय करेंगे।

भरतपुर सोनहत में 83.76, मनेंद्रगढ में 74.24 एवं बैकुंठपुर में 81.94 प्रतिशत हुआ है मतदान

-रवि सिंह-
कोरिया/ एमसीबी,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पांच राज्यों में मतदान का दौर समाप्त होने के बाद अब परिणाम आगामी 3 दिसंबर को आएंगे इसके पहले ही सभी न्यूज चैनलो के द्वारा एक्जिट पोल जारी किये गये हैं जिसमें सभी एजेंसियों द्वारा अपने अलग-अलग दावे किये जा रहे हैं पांच राज्यों में मतदान के बाद अब सभी की निगाहें मतगणना पर टिकी हुई हैं कोरिया एवं एमसीबी जिले में भी प्रशासन की चाक चैबंद व्यवस्था के बीच मतगणना का कार्य संपन्न होगा,इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अविभाजित कोरिया को लेकर यदि बात की जाए तो यहां भरतपुर सोनहत,मनेंद्रगढ एवं बैकुंठपुर विधानसभा सीटें हैं,घटती घटता के द्वारा जुटाये गए आंकड़ो पर यदि बात की जाए तो भरतपुर सोनहत जैसी हाट सीट में मुकाबला त्रिकोणीय हो चुका है,मनेंद्रगढ सीट पर भाजपा प्रत्याशी श्यामबिहारी जायसवाल इस बार बाजी मार सकते हैं तो वहीं बैकुंठपुर सीट पर किसान निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं यहां भाजपा के भैयालाल राजवाड़े एवं कांग्रेस की अंबिका सिंहदेव के बीच मुख्य मुकाबला है गोंगपा की बढत के कारण कांग्रेस को जबरजस्त नुकसान हुआ है,इस सीट पर हार जीत का आंकड़ा महज 5000 के भीतर रहने की उम्मीद है। वैसे तीनो विधानसभा सीट पर भाजपा क्लीप स्वीप भी कर सकती है।

तीनो सीटो पर हुआ है भीतरघात

चुनाव पश्चात घटती घटना को मिली जानकारी के अनुसार अविभाजित कोरिया की दो सीटों पर कांग्रेस एवं भाजपा के प्रत्याशियों को भीतरघात का सामना करना पड़ा है। भरतपुर सोनहत विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह के साथ पार्टी के प्रमुख लोगो ने भीतरघात कर कार्यकर्ताओं को भी भ्रमित किया था, तो वहीं मनेंद्रगढ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह को भीतरघात का सामना करना पड़ा है। बैकुंठपुर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव के साथ खुलाघात किया गया है,कई वरिष्ठ कांग्रेसियों ने भी पूरे दमखम के साथ उनका विरोध किया, व्यक्तिगत विरोध के कारण कांग्रसियों ने खुलाघात किया है। सूत्रों की माने तो प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव ने भीतरघातियों की सूचि भी पीसीसी को सौंपी है। भाजपा में भी भीतरघात की खबरे आ रही हैं,कुछ नेताओं ने भीतर ही भीतर भैयालाल राजवाड़े का विरोध किया है। संगठन की नाकामी और जिलाध्यक्ष के अड़ियल रवैये का नुकसान श्री राजवाड़े को चुनाव में उठाना पड़ा है। किस पार्टी को भीतरघात का ज्यादा नुकसान हुआ है यह आगामी 3 दिसंबर को मतगणना के बाद स्पष्ट हो सकेगा।

भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट में मुकाबला त्रिकोणीय

छत्तीसगढ प्रदेश में विधानसभा सीट क्रमांक 1 के नाम से पहचान रखने वाली भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला है, यहां मतदान का प्रतिशत 83.76 रहा है यहां से महिला मतदाताओं ने अधिक संख्या में मतदान किया है। इस सीट पर भाजपा ने केन्द्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को टिकट दिया था जिससे कि इसे हाट सीट माना जा रहा था। कांग्रेस ने वर्तमान विधायक गुलाब कमरो को मैदान में उतारा था तो वहीं गोड़वाना गणतंत्र पार्टी ने राष्ट्रीय महामंत्री श्याम सिंह मरकाम को चुनाव लड़ाया है। यह विधानसभा भरतपुर जनपद सोनहत जनपद के अलावा नागपुर क्षेत्र में बंटा हुआ है तो वहीं नई लेदरी एवं खोंगापानी नगर पंचायत भी इसी विधानसभा का हिस्सा है। मतदान पश्चात प्राप्त रूझानों पर नजर डाली जाए तो स्पष्ट है कि इस सीट पर कांग्रेस की जीत को इस बार गोंगपा रोकती हुइ नजर आ रही है,जानकारो का कहना है कि गोंगपा इस बार काफी मजबूत स्थिति में है,और उसे हर क्षेत्र से वोट प्राप्त हुआ है,भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह ने काफी मेहनत किया और मतदाताओं का काफी हद तक अपने पक्ष में करने में सफलता हासिल किया है। कांग्रेस प्रत्याशी और वर्तमान विधायक गुलाब कमरो ने विकास कार्य और अपनी सक्रियता को हथियार बनाया था। गोंगपा की मजबूती के कारण तीनों प्रत्याशियों के बीच मतो का अंतर काफी कम रहने की उम्मीद की जा रही है। कई क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब कमरो के पिछड़ने की जानकारी है,गोंगपा ने उनके वोट पर जबरजस्त सेंध मारा है। भाजपा प्रत्याशी रेणुका सिंह चुनाव जीतने की स्थिति में नजर आ रही हैं। हलांकि इस विधानसभा के परिणाम आश्चर्यजनक भी हो सकते हैं।

मनेंद्रगढ सीट में भाजपा के श्यामबिहारी की हो सकती है जीत

प्रदेश की विधानसभा सीट क्रमांक 2 मनेंद्रगढ सीट से भाजपा ने इस बार फिर से पूर्व विधायक श्यामबिहारी जायसवाल को मैदान मे उतारा था तो वहीं कांग्रेस ने अधिवक्ता रमेश सिंह पर भरोसा जताया था। यहां से वर्तमान विधायक विनय जायसवाल एक मजबूत उम्मीदवार थे लेकिन टीएस सिंहदेव की नाराजगी के कारण उनकी टिकट काट दी गई थी,पार्टी के इस निर्णय के कारण विनय जायसवाल ने भी नाराजगी जाहिर की थी। इस चुनाव में बड़ी संख्या मे उनके समर्थको ने कांग्रेस प्रत्याशी का साथ नही दिया है,कांग्रेस प्रत्याशी ने एमसीबी जिला निर्माण को प्रमुख मुद्दा बनाया और मनेंद्रगढ क्षेत्र में इसका लाभ भी मिला है। भाजपा प्रत्याशी श्यामबिहारी जायसवाल ने काफी हाईटेक तरीके से अपने चुनाव अभियान का संचालन किया है,चिरमिरी नगरनिगम क्षेत्र में लोगो ने उनका अच्छा साथ दिया है। खड़गवां क्षेत्र से वैसे हर बार कांग्रेस बढत मे रहती है लेकिन इस बार पिछली बार की तरह बढत हासिल नही होगी। श्यामबिहारी जायसवाल की कार्यशैली एवं उनका व्यवहार भी लोगो ने काफी पसंद किया है,इस विधानसभा सीटी से श्यामबिहारी जायसवाल चुनाव जीत सकते हैं। मनेंद्रगढ विधानसभा में 74.24 प्रतिशत मतदान हुआ है।

तीनो सीटों पर क्लीन स्वीप की स्थिति में भाजपा

अविभाजित कोरिया की तीनो विधानसभा सीटों पर दिख रही स्थिति पर यदि गौर किया जाए तो राजनीति के जानकारो का भी कहना है कि बहुत हद तक संभव है कि भाजपा इस बार कांग्रेस से तीनो सीट छीन सकती है। आंकड़ा 3-0 हो सकता है।

एनटीपीसी कोरबा को नवंबर 2023 में कई पुरस्कारों से किया गया सम्मानित

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में एनटीपीसी कोरबा को पीआरएसआई अवार्ड्स मिला पुरस्कार

-संवाददाता-
कोरबा,30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

दिल्ली में आयोजित 31वीं सीएमओ प्रशासनिक बैठक में बड़े अस्पताल श्रेणी के लिए एनटीपीसी कोरबा अस्पताल को सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवा में उपविजेता पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार लोकेश महिंद्रा, सीएमओ, कोरबा द्वारागुरदीप सिंह, सीएमडी, एनटीपीसी लिमिटेड और डी.के. पटेल निदेशक (मानव संसाधन), एनटीपीसी लिमिटेड की गरिमामय उपस्थिति में प्राप्त दिया गया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिनांक 25 और 26 नवंबर 2023 को एनटीपीसी कोरबा को पीआरएसआई (पब्लिक

रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया) अवार्ड्स 2023 में दो पुरस्कार प्राप्त हुए। एनटीपीसी कोरबा ने पीआर श्रेणी में अंग्रेजी में सर्वश्रेष्ठ समाचार पत्र में दूसरा स्थान हासिल किया । इस पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वतीजी, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश ने एनटीपीसी कोरबा की पीआरओ सुश्री उष्मा घोष को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सुधांशु त्रिवेदी, राज्यसभा सदस्य, नई दिल्ली, नरेश बंसल, संसद सदस्य (राज्यसभा) और डॉ. संदीप मारवाह, चांसलर, एएएफटी विश्वविद्यालय और मारवाह स्टूडियो, नोएडा भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर एक और पुरस्कार सीएसआर श्रेणी में पीएसयू द्वारा सर्वश्रेष्ठ कौशल विकास कार्यक्रम के लिए था, जिसे सुश्री उष्मा घोष, पीआरओ, एनटीपीसी कोरबा ने राजदूत श्री राजशेखर, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली, श्री राजीव रंजन मिश्रा, वरिष्ठ ऊर्जा सलाहकार, विश्व बैंक और पूर्व सीएमडी, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और प्रोफेसर ध्रुव ज्योति पति, डीन और निदेशक, इंडिया टुडे मीडिया इंस्टीट्यूट, नोएडा की गरिमामय उपस्थिति में प्राप्त किया। इसके अलावा नवम्बर के गुणवत्ता माह 2023 के दौरान, टीम एफक्यूए-कोरबा ने विश्व गुणवत्ता माह पैन एनटीपीसी में पहला स्थान (सर्वश्रेष्ठ एफक्यूए) हासिल किया। यह पुरस्कार एनटीपीसी लिमिटेड के ईडी से सीएमडी के. सुंदरम की उपस्थिति में प्राप्त किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ओएचई के प्रावधान हेतु निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी–बीएसपी–196 23–24, दिनांक : 21.11.2023.
कार्य का नाम: (1) बिजुरी–बोरीडांड सेक्शन के बीच किमी. 922/58–64 पर पुल संख्या 53डीएन के पुनर्निर्माण के संबंध में ओएचई का प्रावधान/संशोधन। (2) सहा. मंडल अभि./उमरिया के अधिकार क्षेत्र में उमरिया–लोहरा के बीच अप लाइन में किमी. 984/03–21 पर कर्व संख्या 134बी, 134सी और 134डी को समाप्त करने के संबंध में ओएचई का प्रावधान/संशोधन।
निविदा मूल्य : ₹ 92,94,125.12/–, जमा की जाने वाली राशि : ₹ 1,85,900.00/–, निविदा जमा करने की तिथि व समय: 20.12.2023 के 15:00 बजे तक। पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिये कृपया हमारे वेबसाइट– http://www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।
वरि.मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/314 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail
R.O.No.BSP-524/23-24

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला लकड़ा पत्नी सदानन्द लकड़ा जाति उरांव निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 474/3 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु, व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा,नक्शा, पंचायत प्रस्ताव,ले-आउट,सेटलमेन्ट,रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचारधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 15/12/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

हाथी-मानव द्वन्द रोकने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएं : सौरभ कुमार

-संवाददाता-
कोरबा 30 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सौरभ कुमार ने वन विभाग सहित विद्युत और क्रेडा विभाग के अधिकारियों की ली बैठक। उन्होंने जिले के वनांचल क्षेत्रों में हाथी और मानव द्वंद को कम करने तथा जंगली हाथियों से किसी तरह की जनहानि न हो, इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने हाथियों को रिहायशी क्षेत्रों से दूर भगाने में लगी टीम को अलर्ट रहने और वन्य प्राणियों को नुकसान पहुँचाने वाले विद्युत तारों को दुरुस्त करते हुए निर्धारित ऊँचाई का ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हाथी मानव द्वन्द कम करने हेतु गठित समिति की

बैठक लेते हुए कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिले में अवैध हुकिंग पर कार्यवाही के भी निर्देश विद्युत विभाग को दिए साथ ही वन क्षेत्रों में खुले हुए विद्युत तारो को कवर करने के निर्देश दिए। बैठक में हाथियों द्वारा किए जाने वाले फसलों के नुकसान पर मुआवजे का वितरण समय पर कराने, जनहानि की घटनाओं पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट जल्दी तैयार कर प्रस्तुत करने, धान उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी और उठाव कर परिवहन कराने, जंगली जानवरों के शिकार के लिए जंगल में जाने वाले शिकारियों पर कार्यवाही करने, अनावश्यक जंगलों में नहीं जाने के लिए लोगों को जागरूक करने के संबंध में निर्देश उनके द्वारा दिए गए। बैठक में हाथियों को आकर्षित करने वाले फसलों के स्थान पर अन्य फसल के लिए प्रोत्साहित करने के सम्बंध में भी चर्चा हुई। वनमण्डल अधिकारी कुमार निशांत द्वारा हाथी-मानवद्वन्द रोकने की दिशा में की जा रही कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी दी गई। बैठक में कोरबा डीएफओ अरविंद पीएम, कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत,विद्युत विभाग के सीपी गढ़ेवाल, बी एल सिदार, बीबी नेताम, एन एल पटेल आदि उपस्थित थे।

सीरीज जीतने पर टीम इंडिया की नजरें

» युवा गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

रायपुर,30 नवम्बर 2023।

भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में उतरेगी तो ग्लेन मैक्सवेल की गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए युवा गेंदबाज डैथ ओवरों में बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। तीसरे मैच में भारत के दूसरे दर्जे के गेंदबाज आखिरी दो ओवरों में 43 रन बनाने से भी आस्ट्रेलिया को रोक नहीं सके।

आस्ट्रेलिया ने 223 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करके मैच जीता। प्रसिद्ध कृष्णा ने चार ओवरों में 68 और आखिरी ओवर में 21 रन दे डाले। दीपक चाहर की टीम में वापसी हुई है और वह नयी गेंद से उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं एक मैच के ब्रेक के बाद डैथ ओवरों के विशेषज्ञ मुकेश कुमार भी टीम में

लौटे हैं। प्रसिद्ध और आवेश खान के पास विविधता और नयेपन का अभाव दिखा। दोनों ने 130 या 140 की रफ्तार से गेंदबाजी की लेकिन गेंद की लैंग्थ में विविधता नहीं ला सके जिससे बल्लेबाज के लिये उसे भांपना आसान हो गया।

इसके अलावा दोनों प्रभावी यॉर्कर डालने में भी नाकाम रहे। बल्लेबाजी में श्रेयस अय्यर की वापसी के मायने हैं कि तिलक वर्मा को बाहर रहना पड़ सकता है चूंकि यशस्वी जायसवाल, रूतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और फिनिशर रिंकू सिंह का चयन तो तय है। भारतीय टीम मैक्सवेल की कमी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी जिन्होंने अपने दम पर आस्ट्रेलिया को तीसरा मैच जिताया था। उन्होंने 48 गेंद में 104 रन की नाबाद पारी खेली थी। स्टीव स्मिथ और एडम जम्पा भी स्वदेश लौट चुके हैं चूंकि वे विश्व कप टीम में भी थे और भारत में प्रवास काफी लंबा हो गया था।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप से पहले कार्यभार प्रबंधन और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए अपने कई शीर्ष खिलाड़ियों को इस श्रृंखला से फारिग कर दिया है। अब भारतीय गेंदबाजों के सामने टिम डेविड, जोश फिलीप और बेन मैकडरमोट की चुनौती होगी जो पिछले पांच छह सप्ताह में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इनके अलावा विश्व कप फाइनल में यादगार पारी खेलने वाले ट्रेविस हेड और अनुभवी कप्तान मैथ्यू वेड भी टीम में हैं। गुवाहाटी की तरह यहां भी ओस की भूमिका अहम होगी और टॉस जीतने वाला कप्तान लक्ष्य का पीछा करना चाहेगा। इससे पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को दूसरी पारी में गीली गेंद से जूझना होगा। भारत के युवा बल्लेबाजों यशस्वी, ईशान किशन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा और खुद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जरूरत के समय अच्छी पारियां खेली हैं। रूतुराज गायकवाड़ ने तीसरे मैच में 57 गेंद में 123 रन बनाये।

टीमें

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलिया: मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, तनवीर संघा, मैट शॉर्ट,जोश फिलीप, केन रिचर्डसन, बेन ड्वारशुइस, क्रिस ग्रीन, बेन मैकडरमोट।

फीबा ने 3 बाई 3 ओलंपिक क्वॉलीफायर के दो मेजबानों की घोषणा की

जिनेवा ,30 नवंबर 2023।

इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन (फीबा) ने पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 में 3×3 बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं के लिए तीन ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट (ओक्यूटी) में से दो के लिए मेजबान शहरों की घोषणा की।

उत्सुनोमिया, जापान (3-5 मई), को यूनिवर्सलिटी-संचालित ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट (यूओक्यूटी) की मेजबानी करेगा जबकि डेब्रेसेन, हंगरी (23-26 मई, 2024) को ओक्यूटी की मेजबानी करेगा।

फीबा प्रत्येक टूर्नामेंट में प्रति जेंडर एक कोटा स्थान के साथ दो यूओक्यूटी का आयोजन करेगा और पेरिस 2024 के लिए प्रति जेंडर तीन कोटा स्थानों के साथ एक यूओक्यूटी शामिल होगा। 30 जुलाई- 5 अगस्त, 2024 को पेरिस में ओलंपिक 3×3 बास्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रति जेंडर आठ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।

पुरुष टीमों में सर्बिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन का नाम शामिल है। जबकि महिला टीमों में चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस को 1 नवंबर, 2023 तक उनकी विश्व रैंकिंग के आधार पर पहले ही पेरिस 2024 में बर्थ से सम्मानित किया जा चुका है।

3×3 बास्केटबॉल ने टोक्यो 2020 में अपनी शुरुआत की, जिसमें लातविया और संयुक्त राज्य अमेरिका ने क्रमशः पुरुष और महिला स्वर्ण पदक जीते।

नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप दिल्ली में महिला निशानेबाज

अंजुम मोडगिल ने जीते दो मैडल

चंडीगढ़ ,30 नवंबर 2023।

विश्व चैंपियनशिप में दो बार रजत पदक जीतने वाली महिला निशानेबाज अंजुम मोडगिल ने अपनी लय जारी रखते हुए दो मेडल और जीते हैं। पंजाब पुलिस में कार्यरत अंजुम ने चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के पश्चात अब पंजाब पुलिस में स्पोर्ट्स कोटे में नौकरी हासिल करके नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड पर निशाना लगाया।

उन्होंने इंडिविजुअल सिल्वर मेडल 50 मीटर 3 पोजिशन और टीम इवेंट में सिफ्त कौर व वंशिका के साथ गोल्ड मैडल जीता। चंडीगढ़ में जन्मी निशानेबाज, 2024 पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने से मामूली अंतर से चूक गई थी। उन्हें उम्मीद है कि वह अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले चयन ट्रायल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पेरिस के लिए उड़ाई भरेंगी।

रोहित-हार्दिक की गैरमौजूदगी में सूर्या को मिलेगी कमान!

SA के खिलाफ टी20 सीरीज में हो सकते हैं कप्तान

नई दिल्ली,30 नवंबर 2023।

बीसीसीआई आज साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर सकती है। 10 दिसंबर से डरबन में खेले जाने वाले पहले टी20 मैच को लेकर भारत के चयनकर्ता परेशान हैं। दरअसल, रोहित शर्मा की उपलब्धता को लेकर अभी अनिश्चितता मंडरा रही है। वहीं हार्दिक फिट नहीं है। ऐसे में सूर्या को टीम की कमान मिल सकती है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि चयनकर्ता रोहित शर्मा को मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बीसीसीआई सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया है कि, हां ये सवाल बना हुआ है कि हार्दिक के वापस आने पर क्या होगा? लेकिन बोर्ड

को लगता है कि अगर रोहित टी20 में नेतृत्व करने के लिए मान जाते हैं तो वह टी20 वर्ल्ड कप में टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। अगर रोहित सहमत नहीं होते हैं तो सूर्या दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी टी20 सीरीज में कप्तान बने रहेंगे। वर्ल्ड कप के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया ने सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व के साथ नए युग में प्रवेश किया है। भारत ने टी20 सीरीज के लिए अनुभवी रोहित, विराट, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया है। वहीं हार्दिक पांड्या टखने की चोट के कारण एक और महीने क्रिकेट मैदान से दूर रहेंगे। भारत को तीन मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज के बाद दो टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका का दौरे पर खेलेगा।

आर्सेनल ने लेंस को 6-0 से रौंदा,नॉकआउट चरण में पहुंचा

लंदन,30 नवंबर 2023।

आर्सेनल के मैनेजर मिकेल अर्टेटा ने उत्तरी लंदन में लेंस को 6-0 से हराकर चैंपियंस लीग के नॉकआउट चरण में पहुंचने के बाद अपनी टीम की प्रशंसा की है।

आर्सेनल की 6-0 से जीत यूरोपीय प्रतियोगिता में किसी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किसी अंग्रेजी टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

अर्टेटा ने संवाददाताओं से कहा, मैंने ऐसा सपने में भी नहीं सोचा था। हमारे पास आज क्वालिफाई करने और रुप में शीर्ष पर रहने का मौका था और मुझे लगता है कि हमने इसे वास्तव में ठोस तरीके से किया है। टीम ने शुरू से ही खेल के लिए बहुत आक्रामकता और दृढ़ संकल्प दिखाया। पहले 30 मिनट में सब कुछ सही तरीके से हुआ।

एमिरेट्स में लेंस के खिलाफ 6-0 की जीत के साथ आर्सेनल आसानी से चैंपियंस लीग नॉकआउट चरण में पहुंच गया। गनर्स प्रतियोगिता में मैच

के पहले हाफ में पांच गोल करने वाली पहली अंग्रेजी टीम थी।

गेब्रियल जीसस, बुकायो साका, गेब्रियल मार्टिनेली और मार्टिन ओडेगार्ड के आक्रामक प्रदर्शन में शामिल होने से पहले, काई हैवर्टज़ ने स्कोरिंग की शुरुआत की। पहले हाफ में दबदबा बनाने के बाद मिकेल अर्टेटा की टीम ने जोर्जिन्हो की बदौलत पेनल्टी स्पॉट से छठा गोल किया। अपने घरेलू समर्थकों के सामने एक प्रभावशाली जीत के बाद, उन्होंने आधिकारिक तौर पर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और 16वें राउंड में जगह बना ली है।हालाँकि, अर्टेटा आश्वस्त थे कि उनकी टीम पिछले कुछ समय से घरेलू मैदान पर भी इसी तरह का प्रदर्शन कर रही थी, और उन्होंने इस तथ्य का स्वागत किया कि छह अलग-अलग खिलाड़ियों ने स्कोर शीट पर अपना नाम दर्ज किया।

उन्होंने कहा, घर पर हमने कोई भी गोल न खाने और ढेर सारे स्कोर करने की जो निरंतरता दिखाई है, वह वास्तव में सकारात्मक कारक है। उन खिलाड़ियों को उन अनुभवों और विश्वास की आवश्यकता है कि हम उन विरोधियों के खिलाफ ऐसा कर सकते हैं।

रोहित-कोहली के भविष्य पर बोले पीटरसन

आईपीएल का करना होगा इंतजार

देहरादून ,30 नवंबर 2023।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के पास आगामी टी20 विश्व 2024 के लिए भारत की टीम में शामिल होने का मौका है।

भारतीय क्रिकेट सेटअप में प्रतिभा की गहराई को देखते हुए, वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद कोहली और रोहित के भविष्य को लेकर गहन चर्चा जारी है। जबकि रोहित और कोहली ने वनडे विश्व कप में प्रभावशाली फॉर्म दिखाया। केविन पीटरसन ने इस बात पर जोर दिया कि आईपीएल 2024 में उनका प्रदर्शन अगले साल जून में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए उनके चयन पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पीटरसन ने बताया, कोहली और रोहित के पास कई मौके है। उन्हें देखना होगा कि वे आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करते हैं। चयनकर्ताओं को उन्हें आईपीएल में जांचना होगा क्योंकि वे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज हैं।

आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने कुल मिलाकर 173 खिलाड़ियों को रिटेन किया। रोहित और कोहली को क्रमशः मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने रिटेन किया है।

पीटरसन ने कहा कि चूंकि आईपीएल 2024 और अगले साल के टी20 विश्व कप के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए यह कुछ खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका हो सकता है।वर्तमान में इंडिया कैपिटल्स में गौतम गंभीर की कप्तानी में लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) 2023 सीज़न में खेल रहे पीटरसन एलएलसी में प्रतिस्पर्धा के उच्च मानकों को स्वीकार करते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इसे सेवानिवृत्त क्रिकेटरों के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शामिल होने और संभावित रूप से अपने क्रिकेट करियर में दूसरी पारी शुरू करने के एक मूल्यवान अवसर के रूप में देखते हैं।

पीटरसन ने बताया, यह हमारे लिए दूसरी पारी हो सकती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम जो देख रहे हैं वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट है और यह हमेशा जोखिम होता है।

पोंटिंग ने वार्नर को शामिल करने का किया समर्थन

मेलबर्न,30 नवंबर 2023।

ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान के खिलाफ पर्थ में 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के जरिए घरेलू समर की शुरुआत करने के लिए डेविड वार्नर को प्लेइंग-11 में रखने का समर्थन किया है।

डेविड वार्नर ने पहले जनवरी 2024 में दोस्तों और परिवार के सामने एससीजी में पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे मैच के बाद टेस्ट से संन्यास लेने की इच्छा व्यक्त की थी। लेकिन टेस्ट में फॉर्म उनके पक्ष में नहीं है। जनवरी 2020 के बाद से उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 2022 बॉक्सिंग डे टेस्ट में मेलबर्न में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 200 रन था।

पोंटिंग ने एसईएन रेडियो पर कहा, मुझे लगता है कि वह गर्मियों की शुरुआत में वहां रहने का हकदार है। लेकिन फिर यह उस पर निर्भर है। मैंने इस सप्ताह विदाई दौरे और गर्मियों में तीन टेस्ट और सिडनी में अपने घरेलू दर्शकों के सामने समापन के बारे में कुछ रिपोर्टें पढ़ी हैं। मेरा मतलब है, यह सब वास्तव में डेविड पर निर्भर है। इसलिए यह उनका फैसला होगा। अगर वह पहले कुछ मैचों में रन बनाता है, तो संभवतः उसे वह विदाई मिलेगी जिसकी वह तलाश कर रहे हैं।

लेकिन ऐसे कुछ लोग हैं जो उनके पीछे कतार में हैं जो घरेलू क्रिकेट में सलामी बल्लेबाजी का मौका पाने के लिए बहुत सी चीजें कर रहे हैं। वह समय निश्चित रूप से आएगा लेकिन जब वह आएगा, हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। पर्थ में उस पहले टेस्ट मैच के बाद शायद हमारे पास स्पष्ट तस्वीर होगी।

वॉर्नर के टेस्ट से संन्यास के बाद ओपनर कौन बनेगा ये अगला बड़ा सवाल है। लेकिन, पोंटिंग का मानना है कि रनों के आधार पर मार्कस हैरिस या मैट रेनशॉ से आगे कैमरून बैनक्रॉफ्ट को ऑस्ट्रेलिया के अगले टेस्ट ओपनर के रूप में वार्नर की जगह लेनी चाहिए।

बैनक्रॉफ्ट पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए 945 रन के साथ घरेलू शेफील्ड शील्ड प्रतियोगिता में अग्रणी रन-स्कोरर हैं। उन्होंने आखिरी बार 2019 में ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेला था। यदि आप उन तीन लोगों को देखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि बैनक्रॉफ्ट ही वह खिलाड़ी हैं बोर्ड पर रन बने और मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वे (चयनकर्ता) इस तरह से आगे बढ़ें।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड्स ने कैमरून ग्रीन को प्लेइंग-11 में जगह देने के लिए बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल की बात कही थी। लेकिन पोंटिंग इससे सहमत नहीं दिखे, उन्होंने कहा कि ग्रीन को शेफील्ड शील्ड में प्रदर्शन के जरिए टेस्ट प्लेइंग-11 में अपना स्थान हासिल करना चाहिए।

पोंटिंग ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि मार्नस लाबुशेन को तीसरे नंबर पर रखा जाना चाहिए और उन्हें बल्लेबाजी की शुरुआत करने के लिए नहीं भेजा जाना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के लिए लाबुशेन तीसरे नंबर पर शानदार रहे हैं। यह बहुत ही विशेषज्ञ स्थिति है। यदि वे उसे ऊपर ले गए तो संभवतः उन्हें स्टीव स्मिथ को तीन तक ऊपर ले जाना होगा। वह हमेशा से ही चौथे नंबर के बल्लेबाज रहे हैं। मुझे नहीं पता कि चयनकर्ता किस रास्ते पर जाएंगे, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मैं बल्लेबाजी क्रम को वहीं छोड़ दूंगा जहां वह है और विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाजों में से एक को चुनूंगा और उन्हें मौका दूंगा।

दबंग दिल्ली के नए सहायक कोच बने जोगिंदर नरवाल

नई दिल्ली ,30 नवंबर 2023। दबंग दिल्ली कबड्डी क्लब ने गुरुवार को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 10 के लिए जोगिंदर नरवाल को नया सहायक कोच नियुक्त करने की घोषणा की। अनुभवी कबड्डी खिलाड़ी जोगिंदर नरवाल कोचिंग स्टाफ के लिए अनुभव और रणनीति का खजाना लेकर टीम में शामिल होंगे। इससे पहले एक मजबूत डिफेंडर के रूप में काम करते हुए और पीकेएल सीजन 6-8 के दौरान दबंग दिल्ली कबड्डी क्लब की कप्तानी करते हुए जोगिंदर ने डीडीकेसी को तालिका के शीर्ष 3 में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।जोगिंदर नरवाल ने कहा, मैं दबंग दिल्ली कबड्डी क्लब के लिए सहायक कोच की भूमिका पाकर सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूं। टीम के साथ मेरी यात्रा शानदार रही है और मैं अपने अनुभव को कोचिंग स्टाफ के सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य मिलकर नई ऊंचाइयां हासिल करना और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करना है। विशेष रूप से उनके नेतृत्व में क्लब ने पीकेएल सीज़न 8 में ट्रॉफी जीती। वह टीम की गतिशीलता से अच्छी तरह परिचित हैं और आगामी प्रो कबड्डी लीग सीजन में क्लब की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं।

ऋतिक की फिल्म वॉर 2 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

सलमान खान-कैटरीना कैफ स्टारर 'टाइगर 3' की सक्सेस के बाद, फैंस वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नेक्स्ट फिल्म 'वॉर 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं अब मेकर्स ने फैंस को गुड न्यूज देते हुए 'वॉर 2' की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. चलिए जानते हैं ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म 'वॉर 2' किस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी?

ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर 2 की रिलीज डेट अनाउंस कर दी गई है. फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने एक्स पर ट्वीट किया, ब्रेकिंगन्यूजज वाईआरएफ ने वॉर 2 रिलीज की तारीख की घोषणा की. स्वतंत्रता दिवस वीकेंड 2025ज वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म वॉर-2 अब रिलीज की तारीख हैज बॉक्स ऑफिस पर तबाही के लिए तैयार हो जाइए. 14 अगस्त 2025,गुरुवार, अयान मुखर्जी ने फिल्म को डायरेक्ट किया है और वाईआरएफ द्वारा इसे प्रोड्यूस किया गया है.

एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 के बाद वॉर 2 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है. वॉर 2019 में रिलीज़ हुई थी और इसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर ने लीड रोल प्ले किया था. फिल्म में ऋतिक ने मेजर कबीर धालीवाल की भूमिका निभाई ती.'वॉर 2' को अयान मुखर्जी डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म की स्टार कास्ट के बार में अभी ऑफिशियली पूरी जानकारी सामने नहीं आई है. हालांकि फिल्म में ऋतिक रोशन संग जूनियर एनटीआर के होने की खबर कंफर्म है. वहीं कुछ टाइम पहले से भी खबर आई थी कि फिल्म में कियारा आडवाणी भी होंगी. हालांकि इसे लेकर कुछ भी कंफर्म नही है.

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म का हिस्सा बनीं प्रिया बापट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कुछ समय पहले अपनी नई थ्रिलर फिल्म का ऐलान किया था, जिसकी कहानी 90 के दशक पर आधारित होगी।फिलहाल अभी इस फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की गई है।फिल्म का निर्देशन सेजल शाह द्वारा किया जाएगा तो वहीं विनोद भानुशाली इसके निर्माता हैं।अब प्रिया बापट इस थ्रिलर फिल्म की स्टार कास्ट से जुड़ चुकी हैं और उन्होंने नवाज के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।प्रिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें नवाज और निर्माताओं के साथ नजर आ रही हैं।नवाज के साथ काम करने को लेकर प्रिया ने कहा, जिस दिन मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, उसी दिन से मैं इस थ्रिलर फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थी। नवाजुद्दीन संग काम करना एक सपने जैसा है, जो सच हो गया है।अब अपनी आगामी फिल्म को लेकर प्रिया ने कहा, मैंने जब से इस फिल्म की कहानी सुनी और पता चला कि नवाजुद्दीन के साथ काम करने का मौका मिलेगा, तब से मैं बेहद उत्साहित हूं। इस फिल्म का हिस्सा बनते हुए बेहद खुशी हो रही है। प्रिया के मुताबिक इसकी स्क्रिप्ट बहुत शानदार है। 1990 के दशक की थीम पर होने की वजह से यह फिल्म आपकी पुरानी यादें ताजा कर देगी। निर्देशक सेजल शाह ने दोनों सितारों की केमिस्ट्री के बारे में बताते हुए कहा, मैं प्रिया बापट के साथ काम करके उत्साहित हूं। वह उम्दा कलाकार हैं। वह किरदार को बिल्कुल वास्तविक अंदाज में पेश करती हैं। उनकी और नवाजुद्दीन की केमिस्ट्री भी काफी जबर्दस्त है। यह सस्पेंस और ड्रामा की रोमांचक यात्रा पर ले जाने वाली फिल्म है।

अपकमिंग फिल्म मटका के लिए तैयार वरुण तेज

एक्ट्रेस लावण्या त्रिपाठी से शादी के बाद एक्टर वरुण तेज वर्क मोड में आ गए हैं। वह फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म मटका की तैयारियों में लगे हुए हैं, जो एक पीरियड एक्शन ड्रामा है।मटका की शूटिंग दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू होने वाली है। फिल्म में 9 जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस होंगे और इन सीन्स को जीवंत बनाने के लिए वरुण चार स्टंट कोरियोग्राफरों के साथ काम करेंगे। यह फिल्म 1958-1985 के वर्षों की विशाखापत्तनम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में जटिल रूप से बुनी गई है। फिल्म के बारे में तेज ने कहा, मटका एक पीरियड ड्रामा है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। हम सभी ने बहुत मेहनत की है और मुझे यकीन है कि हर कोई इसका आनंद उठाएगा। मैं ऑपरेशन वैलेंटाइन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, आप दोनों फिल्मों में भरपूर एक्शन और एंटरटेनमेंट की उम्मीद कर सकते

हैं। विजन को प्रामाणिक रूप से पकड़ने के लिए, प्रोडक्शन टीम हैदराबाद के बाहरी इलाके में विशाखापत्तनम के पुराने शहर (वन टाउन क्षेत्र) की नकल करते हुए एक विशाल सेट का निर्माण कर रही है। करुणा कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में अपने किरदार में फिट बैठने के लिए एक्टर ने पिछले छह महीने कड़ी वर्कआउट की हैं।

मटका का निर्माण व्यारा एंटरटेनमेंट्स बैनर पर मोहन चेरुकुरी (सीवीएम) और विजेंदर रेड्डी टीगाला द्वारा किया गया है, जिसमें जी.वी. प्रकाश कुमार म्यूजिक कंपोजर हैं।हाल ही में, वरुण ने इटली के टस्कनी में लावण्या से शादी रचायी। नवंबर की शुरुआत में यह कपल हैदराबाद लौटा।

बदन पर सितारे लपेटे हुए मलाइका अरोड़ा

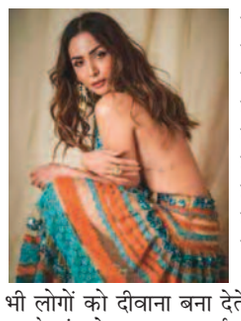

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने बेशक एक्टिंग की दुनिया में खुद को साबित न कर पाई हो, लेकिन उन्होंने हर आइटम सॉन्ग में खूब कमाल जरूर दिखाया है. मलाइका अपने लुक्स, फिटनेस और निजी जिंदगी जैसी तमाम चीजों के कारण अक्सर ही चर्चा में रहती हैं. खासतौर पर उनकी हॉटनेस ने दुनियाभर के लोगों को उनका दीवाना बनाया है. ऐसे में एक्ट्रेस का हर नया अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है.सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा खूब एक्टिव रहती हैं. वह फैंस के साथ अपनी हर अपडेट साझा करती हैं. वहीं उनके अलग-अलग लुक्स भी लोगों को दीवाना बना देते हैं. एक बार फिर उन्होंने अपने हॉट लुक को शेयर करके इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है. एक्ट्रेस की फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं.मलाइका अरोड़ा ने अमित अग्रवाल का बोल्ड आउटफिट कैरी किया है. एक्ट्रेस ने पैरेट ग्रीन कलर का श्रग पहना है, जो आगे से ओपन है. वहीं श्रग के अंदर एक्ट्रेस ने कुछ नहीं पहना है. इसी के साथ उन्होंने बड़े सितारों से बना एक स्कर्ट कैरी किया है. एक्ट्रेस ने अपना लुक कलर फुल ओपन हेयर के साथ पूरा किया है.

दोनों टीमों के खिलाड़ी राजधानी पहुंचे

» अपने चहेते खिलाड़ियों को देखने के लिए एयरपोर्ट पर जुटे फैंस,विशेष सुरक्षा की निगरानी में खिलाड़ी होटल ले जाए गए...

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। टी-20 मुकाबले के लिए छत्तीसगढ़ पहुंची टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के खिलाडियों को होटल ले जाया गया है। आज शहीद वीरनारायण अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच खेला जाना है। अपने चहेते खिलाड़ियों को देखने फैंस एयरपोर्ट में जुटे थे।

दोनों टीमों के अपने चेहते खिलाडियों को देखने के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एयरपोर्ट पर मौजूद फैंस ने जी भरकर अपने खिलाड़ियों का दीदार किया। मैच को लेकर बीसीसीआई द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। वहीं क्रिकेट प्रेमियों के लिए परसों की शाम अपने चहेते खिलाड़ियों का लाइव परफॉर्मेंस देखने की शाम है। मैच को लेकर प्रदेश में काफी उत्साह देखा जा रहा है। वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियो को कड़ी सुरक्षा के बीच होटल ले ज़ाया गया है।

ये भारतीय खिलाड़ी पहुंचे

भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो, कप्तान सूर्यकुमार कुमार यादव, ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, रिंकु सिंह, अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, अर्शदीप सिंह , रवि बिश्नोई और यशस्वी जयसवाल समेत सभी खिलाड़ी एयरपोर्ट से होटल के लिए रवाना हुए।

ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ी पहुंचे एयरपोर्ट

ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ियों की बात करें तो, कप्तान मथ्यू वेड, मार्क्स स्टॉयनिस, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंगलिस, टीम डैविड और नत्थान ऐलिस समेत सभी खिलाड़ी एयरपोर्ट से होटल के लिए रवाना हुए।

सीएम भूपेश बघेल भी टी 20 मैच देखेंगे,मिला न्योता

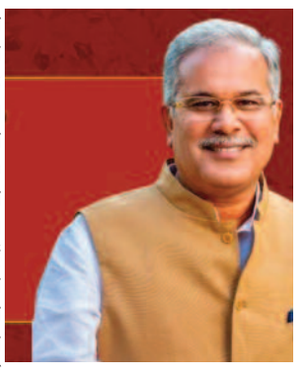

आज भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर्स रायपुर पहुंच चुके हैं। वहीं, अब आम लोगों के साथ स्टेडियम में सीएम बघेल सभी 90 विधानसभा के प्रत्याशियों के साथ इस मैच का आंनद लेते दिखेंगे। साथ ही प्रत्याशी के अलावा कई वरिष्ठ नेताओं को भी न्योता दिया गया है।क्रिकेटरों के होटल से स्टेडियम पहुंचने तक विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। टिकट की दर महंगी होने के बाद भी बड़ी संख्या में क्रिकेट फैन्स ने टिकट खरीदी है। सुबह से ही इंडोर स्टेडियम में टिकट के लिए लंबी कतार लगी हुई थी। सुबह 6 बजे से क्रिकेट प्रेमी कतार में खड़े थे।

टिकट कटने वाले 24 विधायकों की सरकारी सुविधाएं आज से बंद

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में चुनाव संपन्न होने के बाद स्ट्रांग रूम में रखे गए ईवीएम मशीनों की कड़ी सुरक्षा के बीच निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा स्ट्रांग रुम में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए है। स्ट्रांग रुप में रखे गए ईवीएम मशीनों को मतगणना के लिए 3 दिसंबर को निकाला जाएगा । मतों की गिनती के बाद स्पष्ट हो जाएगा कि छत्तीसगढ़ में किस पार्टी की सरकार बनने वाली है। वहीं कांग्रेस और भाजपा ने इस बार कई विधायकों को टिकट नहीं दी है और नए चेहरों को मौका दिया है। इन विधायकों की संख्या लगभग 24 है ये विधायक 1 दिसंबर से पूर्व विधायक हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि चुनाव नहीं लड़ने वाले विधायकों को विधानसभा सचिवालय ने नो-ड्यूज कराने की सूचना दे दी है। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने वाले विधायकों के लिए सरकारी सुविधाएं बंद होंगी। इसमें बताया गया है कि एक दिसंबर से उन्हें सरकारी बंगला और आवास भत्ता की पात्रता नहीं होगी क्योंकि वह अब पूर्व विधायक हो चुके हैं। इस वजह से उन्हें 1 दिसंबर को आलीशान सरकारी बंगला खाली करना होगा। चुनाव नियमानुसार नई विधानसभा गठित होने से पहले पूर्व विधायकों को बंगला खाली करना पड़ता है।

मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस के 22 विधायक और बीजेपी के 2 विधायकों को सुविधा नहीं मिलेंगी। वहीं नए विधानसभा के गठन से पहले आवास खाली करने होंगे। आपको बता दें कि इन 24 विधायकों को सरकारी सुविधाएं नहीं दी जाएंगी। जिनमें कांग्रेस से किस्मतलाल नंद, शकुंतला साहू, लक्ष्मी ध्रुव, प्रेमसाय टेकाम, ममता चंद्राकर, भुवनेश्वर बघेल, गुरुदयाल बंजारे, बृहस्पति सिंह, छन्नी साहू, रेखचंद्र जैन, चक्रधर सिदार, विनोद चंद्राकर, चिंतामणि महाराज, शिशुपाल शोरी, राजमन बेंजाम, अनिता शर्मा, अनूप नाग, देवती कर्मा, सत्यनारायण शर्मा, चंद्रदेव राय, मोहित केरकेट्टा, विनय जैसवाल और बीजेपी से डमरूधर पुजारी और रजनीश सिंह को सरकारी सुविधा नहीं दी जाएगी। इसके अलावा 4 विधायकों का आवास और 20 विधायकों का आवास भत्ता बंद हो जाएगा।

रायपुर पुलिस ने जारी किया रूट-पार्किंग प्लान

» मैच देखने इन रास्तों का करें इस्तेमाल, स्टेडियम में पानी की बोतल पर भी रोक

भारत-ऑस्ट्रेलिया टी-20 क्रिकेट मैच को लेकर रायपुर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है। मैच नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। रायपुर में 1 दिसंबर को मैच नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

पार्किंग से लेकर स्टेडियम के अंदर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी। होटल और उसके आसपास भी सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। मैच को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। स्टेडियम में दर्शक पानी की बोतल भी नहीं ले जा सकेंगे।

मध्यम और भारी वाहनों की एंट्री बैन है। वहीं पासधारी वाहनों के लिए मार्ग और पार्किंग समेत रोड का रुट मैप भी तय कर दिया गया है। पासधारी वाहनों के लिए मार्ग और पार्किंग भी तय है।

पासधारी वाहन सेरीखेड़ी ओवर ब्रिज होकर नवा रायपुर प्रवेश मार्ग से स्टेडियम टर्निंग, डॉ खूबचंद बघेल चौक, कयाबांधा चौक (सेक्टर 15/21) कोटराभाठा चौक (सेक्टर-17/20) से ग्राम सेंध सेक्टर-04/10 होकर स्टेडियम पार्किंग ए, बी, सी, डी, ई और रिजर्व में अपना वाहन पार्क कर सकेंगे।

भारत-आस्ट्रेलिया टी-20 क्रिकेट मैच के दौरान सड़क पर आम लोगों को जाम से बचाने के लिए नवा रायपुर के सभी प्रवेश मार्गों पर मध्यम और भारी वाहनों की एंट्री शाम 4 बजे से रात 12 बजे तक पूरी तरह बैन रहेगी। असुविधा से

बचने के लिए ऑप्शनल मार्गों का प्रयोग कर सकते हैं।

शहर से स्टेडियम जाने के लिए निर्धारित रुट

तेलीबांधा थाना तिराहा से नेशनल हाईवे-53 होकर सेरीखेड़ी ओवरब्रिज से नवा रायपुर मार्ग होकर स्टेडियम तिराहा, साई अस्पताल रोड होकर, साई अस्पताल पार्किंग और सेंध तालाब पार्किंग फिर स्टेडियम तक पैदल

बिलासपुर-सिमगा की ओर से

बिलासपुर-रायपुर मार्ग से होकर धनेली नाला से रिंग रोड नम्बर-3 होकर विधानसभा चौक रिंग रोड नंबर-3 होकर ह्यू-53 से मंदिरहसौद, नवागांव से होकर स्टेडियम की पूर्व दिशा में स्थित परसदा पार्किंग और कोसा पार्किंग में वाहन पार्क कर पैदल स्टेडियम पहुंचेंगे।

बलौदाबाजार-खरोरा की ओर से

बलौदाबाजार-रायपुर मार्ग में विधानसभा ओवरब्रिज चौक से रिंग रोड नम्बर-3 होकर विधानसभा चौक रिंग रोड नंबर-3 होकर ह्यू-53 से मंदिरहसौद, नवागांव से स्टेडियम टर्निंग होकर स्टेडियम की पूर्व दिशा में स्थित परसदा पार्किंग और कोसा पार्किंग में वाहन पार्क कर पैदल स्टेडियम पहुंचेंगे।

बालोद,कांकेर और धमतरी की ओर से

अभनपुर से केंद्री, उपरवारा, मंत्रालय चौक, कोटराभाठा, सेंध तालाब होकर साई अस्पताल पार्किंग और सेंध तालाब पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर स्टेडियम पैदल पहुंचेंगे।

राजनांदगांव-दुर्ग की ओर से

टाटीबंध से रिंग रोड 1 होकर पचपेड़ी नाका-लालपुर-माना-तूता से नवा रायपुर मार्ग होकर सत्यसाई अस्पताल पार्किंग और सेंध तालाब पार्किंग में अपना वाहन पार्क कर स्टेडियम पैदल पहुंचेंगे।

महासमुंद-सरायपाली की ओर से

आरंग से सीधे स्टेडियम टर्निंग होकर स्टेडियम की पूर्व दिशा में स्थित परसदा पार्किंग और कोसा पार्किंग में वाहन पार्क कर पैदल स्टेडियम पहुंचेंगे।

रामलला के विराजमान दिन अयोध्या आने छत्तीसगढ़ के लोगों को न्योता

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस दिन रामलला नए बने राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो जाएंगे. इसके लिए छत्तीसगढ़वासियों को अयोध्या से न्योता आया है। दरअसल, श्री रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का न्यौता देने आज अक्षत कलश राजधानी रायपुर पहुंचा है. इसे रायपुर के श्री राम मंदिर में रखा गया। 1 दिसंबर को विशेष पूजा कर सभी जिलों में कलश भेजा जाएगा। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद विशेष अभियान चलाएगा. अभियान के तहत घर-घर जाकर न्यौता देंगे। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में 3 करोड़ लोगों को न्यौता देने का लक्ष्य है।

कांग्रेस नेत्री छाया वर्मा के पति डॉ. दया का निधन

अंबेडकर अस्पताल में ली अंतिम सांसें

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। कांग्रेस की पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा के पति डॉ. दया वर्मा का आज निधन हो गया। उन्होंने अंबडेकर अस्पताल में अंतिम सांसें ली. दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ है. बता दें कि डॉ. दया वर्मा शासकीय चिकित्सक रहे हैं.। छाया वर्मा धरसींवा से कांग्रेस प्रत्याशी हैं. उनके पति डॉ. दया वर्मा सिलयारी उपस्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय तक पदस्थ रहे। सिलयारी के समीप ही उनका गांव किरना है, जहां बजरंग पावर प्लांट है।

छाया वर्मा के पति के निधन पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शोक जताया है. उन्होंने ट्वीट कर कहा, पूर्व राज्यसभा सांसद, कांग्रेस नेत्री छाया वर्मा के पति डॉ. दया वर्मा का दिल का दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है. ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं परिवारजनों को संबल प्रदान करे. इस दुःख की घड़ी में हम सब उनके साथ हैं।

हाईकोर्ट,जिला एवं सत्र न्यायालय क्षेत्र समेत ये क्षेत्र साइलेंस जोन घोषित

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। हाईकोर्ट द्वारा दिये गये आदेश के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अवनीश शरण ने जिले में कोलाहल प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किये हैं। अत्यधिक शोरगुल से बीमार, बुजुर्ग, छात्रों सहित आम लोगों को राहत दिलाने के लिए हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान पीआईएल पर सुनवाई करते हुए जिला प्रशासन को साईलेंस जोन घोषित कर इन पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं।

जिला दण्डाधिकारी शरण द्वारा 30 नवम्बर को जारी आदेश के अनुसार घोषित साईलेंस जोन में हाईकोर्ट

बिलासपुर परिसर एवं इसके प्रारंभिक एवं अंतिम बिन्दु तक, जिला एवं सत्र न्यायालय तथा अन्य न्यायालय, समस्त शासकीय एवं अशासकीय चिकित्सालय, समस्त शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थान तथा समस्त शासकीय कार्यालयों एवं इनके 100 मीटर परिधि को शामिल किया गया है।

आदेश के अंतर्गत भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सालय, शैक्षणिक संस्थान एवं कार्यालय भी शामिल होंगे। जिला दण्डाधिकारी ने कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 तथा ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोलाहल प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किये हैं। उन्होंने सक्षम प्राधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन करने एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश भी दिए हैं।

4 कुख्यात और लाखों के ईनामी नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा,30 नवम्बर 2023 (ए)। भांसी क्षेत्र में 26 नवंबर को वाहनों में आगजनी करने की घटना में शामिल दो ईनामी सहित 4 नक्सलियों को पुलिस ने आज गिरफ्तार किया है। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत डीआरजी, बस्तर फाइटर्स दन्तेवाड़ा, डीआरजी बीजापुर एवं यंग प्लाटून सीआरपीएफ 230 बटालियन एवं थाना भांसी का संयुक्त बल भांसी क्षेत्र में आगजनी किये गये माओवादियों के उपस्थिति की आसूचना पर ग्राम गहनार, कोण्डापाल, हुर्रेपाल एवं बेचापाल के जंगल/पहाड़ी की ओर सर्चिंग के लिए रवाना हुए थे। इस दौरान ग्राम हुर्रेपाल एवं कोण्डापाल के जंगल/पहाड़ी में पुलिस पार्टी को देखकर 4 संदिग्ध व्यक्ति भागने व छिपने लगे। जिन्हें पुलिस पार्टी के द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पकड़े गये संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने पर अपना नाम बोटी उर्फ बदरू इच्छाम (28 वर्ष) हुर्रेपाल गायतापारा थाना मिरतुर हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया कमाण्डर(1 लाख ईनामी), लक्ष्मण हपका (25 वर्ष) एटेपाल पटेलपारा थाना मिरतुर हुर्रेपाल पंचायत डीएकेएमएस अध्यक्ष(1 लाख ईनामी) , मोटू उर्फ बुधरू इच्छाम (25 वर्ष) हुर्रेपाल स्कूलपारा थाना मिरतुर हुर्रेपाल पंचायत मिलिशिया सेक्शन कमाण्डर, सोनारू मडक़ाम (19 वर्ष) कोण्डापाल गहनारपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर ग्राम कोण्डापाल डीएकेएमएस सदस्य के पद पर कार्य करना एवं 26 नवंबर को भांसी क्षेत्र में निर्माण कार्य में लगे वाहनों को आगजनी करने की घटना में शामिल होना बताये। नक्सलियों के विरूद्ध थाना भांसी में धारा 147, 148, 149, 294, 506, 435 भादवि, 25, 27 आर्म्स एक्ट तहत आज गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

खरीदी केंद्रों में धान की आवक नहीं होने पर बोले सांसद

नयी सरकार आने का इंतजार कर रहे किसान

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। धान खरीदी के आंकड़ों की बात करें तो पिछले साल की तुलना में अब तक 6 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी कम हुई । पिछले साल अब तक 20 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी थी लेकिन इस साल ये आंकड़ा 13 - 14 लाख मीट्रिक टन से आगे नहीं बढ़ा है । इस आंकड़े को देखते हुए भाजपा नेता सांसद सुनील सोनी का दावा है कि किसानों को उम्मीद है कि बीजेपी सरकार आने के बाद उन्हें धान का ज्यादा पैसा मिलेगा । इसलिए वे फिलहाल धान नहीं बेच रहे हैं।वहीं कांग्रेस नेता खाद्य मंत्री का कहना है कि किसानों को अभी भी भूपेश सरकार पर भरोसा है, वे नई सरकार बनने का इंतजार कर रहे हैं । अमरजीत भगत का कहना है कि 3 दिसंबर के बाद धान खरीदी की स्पीड बढ़ जाएगी । किसानों को भरोसा है कि सत्तासीन सरकार आने के बाद धान की सबसे ज्यादा कीमत मिलेगी।

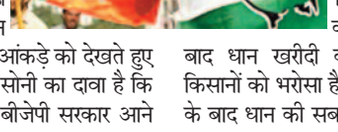

छत्तीसगढ़ में दिखेगा चक्रवाती तूफान का असर

रायपुर संभाग में भी अलर्ट जारी

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। मौसम विभाग ने दिसंबर माह के लिए अलर्ट जारी किया है। जिसमें बताया कि चक्रवाती तूफान मिचौंग दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में पहुंचेगा।

3 दिसंबर को बस्तर और 4 दिसंबर को दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर संभाग में असर दिखने की संभावना जताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक बंगाल की दक्षिणपूर्व खाड़ी और उससे सटे हुए दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र अब कम दवाब वाले इलाके में पूरी तरह से तब्दील हो गया है, जिसकी वजह से चक्रवाती तूफान आने का खतरा बढ़ता जा रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक इस बात की भी उम्मीद जताई जा रही है कि इसे और भी ज्यादा मजबूती मिलेगी। अगले 48 घंटों के भीतर दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर ये एक चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' में तब्दील हो जाएगा।

हार के बहाने तलाशने भाजपा चुनाव आयोग जा रही:कांग्रेस

» भाजपा का चुनाव आयोग में जाना यह बताने के लिये पर्याप्त...भाजपा चुनाव हार रही है...

» जनता ने भाजपा पर भरोसा नहीं जताया तो भाजपा बौखला गयी है...

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। भाजपा के द्वारा बार-बार चुनाव आयोग जाना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा चुनाव हार रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा अपने तय हार के लिये अभी से बहाना तलाश कर रही है। इसीलिये भाजपा के नेता रोज-रोज नये बहाने तलाशने चुनाव आयोग पहुंच कर आरोप लगाते है। भाजपा कभी निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाती है, तो कभी जिलों के अधिकारियों को धमकाती है, तो कभी स्ट्रांग रूम में गड़बड़ी के मनगढ़त आरोप लगाती है। भाजपा की यह बौखलाहट बताती है कि भाजपा चुनाव में बुरी तरह से पराजित हो रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा द्वारा लगातार बयानों और चुनाव आयोग में गलत शिकायत करके अधिकारियों को धमका रही है। चुनाव में तय हार की खीझ से भाजपाई अधिकारियों को धमकाने और डरवाने पर उतर आये हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा दहाई के अंक तक भी नहीं पहुंच पायेगी। भाजपा के नेता सरकार बनाने के मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। राज्य में कांग्रेस की सरकार दो तिहाई बहुमत के साथ वापस आएगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दाविहीन थी चुनाव में भाजपा ने केंद्रीय एजेंसियों का जम कर दुरूपयोग किया। जनता ने भाजपा के सारे षड़यंत्रों को नकार कर उसके खिलाफ मतदान किया है।

प्रदेश भर में एक लाख से अधिक पड़े डाक मतपत्र

» गिनती के लिए दिए गए विशेष दिशा-निर्देश,

» आरओ के टेबल में होगी गिनती

रायपुर,30 नवम्बर 2023(ए)। 90 विधानसभाओं में 29 नवंबर तक सभी श्रेणियों के कुल 103463 डाक मतपत्र प्राप्त प्राप्त हो चुके हैं। इसमें सेवा मतदाताओं के ईटीपीबी, निर्वाचन ड्यूटी कर्मचारियों के सुविधा केन्द्रों से प्राप्त डाक मतपत्र और अनुपस्थित श्रेणी के 80+, दिव्यांग एवं अनिवार्य सेवा मतदाताओं के प्राप्त डाक मतपत्र सभी शामिल है।

भाजपा ने जताया है संशय

बड़ी संख्या में डाक मतपत्र इस बार की मतगणना में डाक मतपत्रों पर लोगों की विशेष नजर रहेगी। विपक्ष ने डाक मतों की स्थिति को संशय पूर्ण बताया है। इसलिए मत गणना ट्रेनिंग में भी इसे लेकर गंभीरता बरती जा रही है।

सबसे पहले होगी डाक मतपत्रों की गिनती

मास्टर ट्रेनर्स ने गणकों को ट्रेनिंग में बताया कि डाक मतपत्रों की गिनती सबसे पहले होगी। डाक मतपत्रों की गणना रिटर्निंग ऑफिसर करेंगे, जिनके सहयोग के लिऐ विशेष सहायक रिटर्निंग आफिसर होंगे, इसके लिए अलग टेबल होगा। डाक मतपत्रों की वैधता के बारे में उनका निर्णय ही मान्य होगा। इस कार्य के लिए नियुक्त गणना पर्यवेक्षक और सहायक उनकी सहायता करेंगे।

ऐसे मतपत्र होंगे निरस्त

डाक मतपत्र (चाहे ईटीपीबी हो या सामान्य) उस स्थिति में अविधिमान्य होंगे जब मतपत्र (ईटीपीबी को छो कर) पर आरओ के हस्ताक्षर की मुहर न लगी हो। एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के समक्ष कोई निशान लगा हो। यदि एक से अधिक अभ्यर्थियों के नाम के समक्ष अलग-अलग निशान हो तब भी उसे अविधिमान्य किया जाएगा। किसी एक अभ्यर्थी के नाम के समक्ष लगा निशान दूसरे अभ्यर्थी के खाने तक इस प्रकार चला गया हो कि उसके चयन का निर्धारण कर सकना संभव न हो, या किसी भी अभ्यर्थी के नाम के समक्ष कोई निशान न लगा हो।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)